समस्त देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 270, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 18 मार्च, 2022 दिन शुक्रवार | गाजीपुर/वाराणसी

फाइलों और फील्ड का फर्क समझें अगले 25 साल में आपकी बड़ी भूमिका

प्रधानमंत्री मोदी का प्रशिक्षु अधिकारियों को सन्देश

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। मोदी एलबीएसएनएए में 96वें कामन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को संबोधित कर रहे हैं। मोदी ने यहां नए खेल परिसर का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने देशवासियों को होली की शुभकामनाएं दी। मोदी ने कहा, 'आज होली का त्योहार है, इस अवसर पर मैं समस्त देशवासियों को, आपको, आपके परिवारों को होली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।' मोदी ने आगे कहा कि बीते

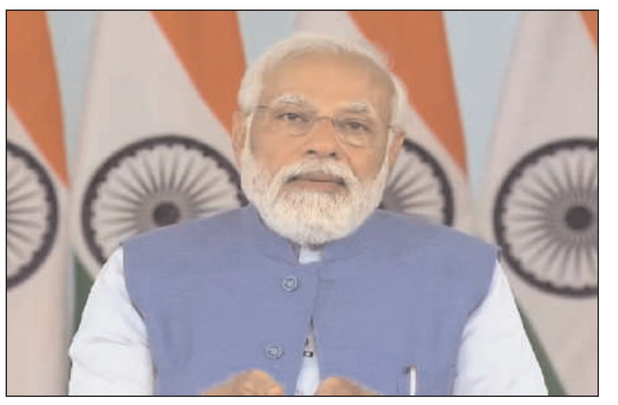

वर्षों में मैंने अनेक बैच के सिविल सेवकों से बात की है, मुलाकात की है, उनके साथ लंबा समय गुजारा है, लेकिन आपका बैच बहुत स्पेशल है। आप भारत की आजादी के 75वें वर्ष में अपना काम शुरू कर रहे हैं। आजादी के इस अमृतकाल में, अगले 25 साल में देश जितना विकास करेगा, उसमें बहुत बड़ी भूमिका आपकी होगी। हम में से बहुत से लोग उस समय नहीं होंगे जब भारत अपनी आजादी के 100वें वर्ष में प्रवेश करेगा। लेकिन आपका ये बैच, उस समय भी रहेगा, आप भी रहेंगे।

कई गुना तेजी से आगे बढ़ने का समय– मोदी ने आगे कहा कि 21वीं सदी के जिस मुकाम पर आज भारत है, पूरी दुनिया की नजरें हम पर टिकी हुई हैं। कोरोना ने जो परिस्थितियां पैदा की हैं, उसमें एक नया वर्ल्ड ऑर्डर उभर रहा है। इस नए वर्ल्ड ऑर्डर में भारत को अपनी भूमिका बढ़ानी है और तेज गति से अपना विकास भी करना है। बीते 75 वर्षों में हमने जिस गति से प्रगति की है, अब उससे कई गुना तेजी से आगे बढ़ने का समय है। आने वाले वर्षों में आप कहीं किसी जिले को संभाल रहे होंगे, किसी विभाग को संभाल रहे होंगे, कहीं इंफ्रास्ट्रक्चर का बहुत बड़ा प्रोजेक्ट आपकी निगरानी में चल रहा होगा। इन सभी कार्यों में आपको एक चीज का हमेशा ध्यान रखना है और वो है 21वीं सदी के भारत का सबसे बड़ा लक्ष्य। ये लक्ष्य है- आत्मनिर्भर भारत का, आधुनिक भारत का। इस समय को हमें खोना नहीं है।

फाइलों और फील्ड का फर्क समझकर करें काम– मोदी ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि आपको फाइलों और फील्ड का फर्क समझते हुए ही काम करना होगा। फाइलों में आपको असली फील नहीं मिलेगी। फील के लिए आपको फील्ड से जुड़े रहना होगा। मेरी ये बात आप जीवन भर याद रखिएगा कि फाइलों में जो आंकड़े होते हैं, वो सिर्फ नंबर्स नहीं होते। हर एक आंकड़ा, हर एक नंबर, एक जीवन होता है। आपको नंबर के लिए नहीं, हर एक जीवन के लिए काम करना है। आप इस बात की तह तक जाइएगा कि जब वो नियम बनाया गया था, तो उसके पीछे की वजह क्या थी। मोदी ने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में हमें सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन को अगले स्तर पर ले जाना है। इसलिए ही आज का भारत सबका प्रयास की भावना से आगे बढ़ रहा है।

अवकाश की सूचना

समस्त सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं व शुभेच्छुओं को सूचित किया जाता है कि होली के शुभ अवसर पर दिनांक 18.03.2022 व 19.03.2022 को **प्रखर पूर्वांचल** कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः समाचार पत्र का अगला अंक 21.03.2022 को प्रकाशित होगा। –संपादक

पंजाब में शिकस्त के बाद अकाली दल में दरार, डीएसजीएमसी अध्यक्ष ने की अलग पार्टी बनाने की घोषणा

चंडीगढ़। पंजाब में शर्मनाक पराजय मिलने के बाद शिरोमणि अकाली दल दो फाड़ हो गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमिटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने एक अलग अकाली दल बनाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि 26 अन्य सदस्यों के साथ यह फैसला किया गया है। पार्टी ने 47 में से 27 सदस्यों के साथ डीएसजीएमसी का चुनाव जीता था। कालका के इस ऐलान के बाद शिअद ने एक बैठक बुलाई और उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया। इसके अलावा पार्टी की दिल्ली यूनिट का विलय करवा दिया गया है। अकाली दल के उपाध्यक्ष प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने कहा कि तब तक पूर्व अध्यक्ष अवतार सिंह इस यूनिट की कमान संभालेंगे। पंजाब में बठिंडा शहर से अकाली दल के उम्मीदवार और पूर्व विधायक सरूप सिंह सिंहला ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बादल परिवार पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने चचेरे भाई और कांग्रेस नेता मनप्रीत सिंह बादल का सहयोग किया इसलिए वह चुनाव हार गए। बता दें कि यहां आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी ने चुनाव जीता है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के दो अकाली नेता भी पार्टी में विद्रोह कर चुके हैं।

डीआरडीओ ने रिकॉर्ड 45 दिन में एडीई में उड़ान नियंत्रण प्रणाली के लिए बहुमंजिला भवन का निर्माण किया

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक कारनामा कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। डीआरडीओ ने बेंगलुरु के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) में उड़ान नियंत्रण प्रणाली के लिए संस्थानिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करके रिकॉर्ड 45 दिन में एक बहुमंजिला भवन का निर्माण किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस सात मंजिला इमारत में भारतीय वायु सेना के लिए पांचवीं पीढ़ी के, मध्यम वजन के, गहरे तक मार करने वाले लड़ाकू विमानों को विकसित करने के लिए अनुसंधान एवं विकास सुविधाएं होंगी।

एक अधिकारी ने बताया कि डीआरडीओ ने एडीई, बेंगलुरु में उड़ान नियंत्रण प्रणाली के लिए हाईब्रिड प्रौद्योगिकी के जरिए एक बहु-मंजिला बुनियादी ढांचे के निर्माण को रिकॉर्ड 45 दिन में पूरा किया। उन्होंने कहा कि परिसर में उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) परियोजना के तहत लड़ाकू विमान और उड़ान नियंत्रण प्रणाली (एफसीएस) के लिए वैमानिकी विकसित करने की सुविधा होगी। भारत अपनी वायु शक्ति क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के मकसद से उन्नत स्टील्थ सुविधाओं से लैस पांचवीं पीढ़ी के मध्यम वजन के, गहरे तक मार करने वाले लड़ाकू विमान विकसित करने के लिए महत्वाकांक्षी एएमसीए परियोजना पर काम कर रहा है। इस परियोजना की प्रारंभिक विकास लागत लगभग 15,000 करोड़ रुपए आंकी गई है। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया था कि एएमसीए के डिजाइन और प्रोटोटाइप (नमूना) विकास के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को इमारत का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इमारत का निर्माण एएमसीए परियोजना और संबंधित गतिविधियों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने के उद्देश्य से केवल 45 दिन की न्यूनतम समय सीमा में समग्र निर्माण तकनीक का उपयोग करके किया गया है। इस परियोजना की आधारशिला 22 नवंबर, 2021 को रखी गई थी और वास्तविक निर्माण कार्य एक फरवरी से आरंभ हुआ। इस परियोजना में शामिल एक अधिकारी ने कहा, हाईब्रिड निर्माण तकनीक के साथ एक स्थायी और कार्य संचालन के लिए पूरी तरह तैयार सात मंजिला इमारत का निर्माण कार्य पूरा करने का यह एक अनूठा रिकॉर्ड है और ऐसा देश में पहली बार हुआ है।

चीन, हॉन्गकॉन्ग में फैल रहा कोरोना, टेंशन में आया भारत

नई दिल्ली। देश में कोरोना की रफ्तार भले ही कम हो रही है लेकिन पड़ोसी देशों चीन और साउथ कोरिया में बढ़ रहे कोरोना के मामलों ने टेंशन बढ़ा दी है। चीन, हॉन्गकॉन्ग समेत एशिया और यूरोप के अन्य देशों में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। चीन ने कोरोना पर लगाम के लिए कुछ इलाकों में बेहद सख्त लॉकडाउन लगाया है। चीन में कोरोना मामलों के पीछे ओमीक्रोन का सब वेरिएंट बीए.2 सामने आया है। यह ओमीक्रोन से कहीं अधिक संक्रामक है। वहीं, यूरोप में बढ़ रहे मामलों के पीछे डेल्टाक्रोन को बताया जा रहा है। हालांकि, देश में अभी कोरोना के डेली मामले पिछले कई दिन से 3 हजार से कम दर्ज किए जा रहे हैं।

चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों ने भारत समेत दुनिया के कई देशों को टेंशन में डाल दिया है। चीन में कोविड-19 संक्रमण के नए मामले मंगलवार को दोगुने होकर 3,507 पहुंच गए। इनमें से तीन-चौथाई अकेले जिलिन प्रांत में थे। इसके साथ हांगकांग में सोमवार को संक्रमितों की संख्या 26,908 थी। शेंजेन एवं चांगचुन में खानपान, ईंधन एवं अन्य जरूरी सेवाओं को छोड़कर सभी कारोबार बंद करने के आदेश दिए गए हैं। बस एवं मेट्रो सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। वहां के लाखों निवासियों को संक्रमण की जांच कराने को कहा गया है। चीन के ग्वांगडोंग, शंघाई, शेडोंग और जिलिनचीन में एक दिन में स्थानीय स्तर पर संक्रमण के 1,860 नए मामले दर्ज किए गए। पाकिस्तान में भी कोरोना के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। यहां दक्षिणी सिंध प्रांत में अब तक कोरोना के 572,555 मामले सामने आ चुके हैं। यह देश का सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र है। इसके बाद पूर्वी पंजाब प्रांत है, जहां कोरोना के 504,045 मामले दर्ज किए गए हैं।

पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में कोरोना के 493 नए मामले सामने आए। यह जानकारी नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर (एनसीओसी) ने दी। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, महामारी के खिलाफ देश के अभियान का नेतृत्व करने वाले विभाग एनसीओसी ने कहा कि देश में पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 1,520,120 हो गई है, जबकि उनमें से 1,472,291 रिकवर हो गए हैं। एनसीओसी के आंकड़ों के अनुसार, देश में डेथ रेट में हाल ही में गिरावट देखी गई। मंगलवार को 4 लोगों की मौत हो गई, जिससे मौतों की कुल संख्या बढ़कर 30,317 हो गई। चीन में बढ़ रहे कोरोना मामलों को लेकर देश के एक्सपर्ट की अलग राय है।

यूक्रेन से लौटे विद्यार्थियों को मेडिकल कॉलेजों में समायोजित किया जाए : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यूक्रेन से लौटे चिकित्सा विद्यार्थियों को भारतीय महाविद्यालयों में समायोजित करने का अनुरोध करते हुए उन्हें पत्र लिखा। इस युद्ध प्रभावित देश से लौटे पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों से भेंट करने के बाद बनर्जी ने प्रधानमंत्री ने उनके लिए नियमों को ढील देने की अपील की और कहा कि ऐसा इसलिए जरूरी है क्योंकि यह असाधारण स्थिति है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने कई सुझाव दिये जिनमें पात्र विद्यार्थियों को चिकित्सा मेडिकल महाविद्यालय में इंटर्नशिप की अनुमति देना भी शामिल है। पत्र में कहा गया है कि अन्य विद्यार्थियों के लिए उन्हें निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में समान स्तर पर वर्तमान सीटों पर दाखिले की अनुमति दी जाए तथा इन चिकित्सा महाविद्यालयों को समान संख्या में सीटें बढ़ाने की इजाजत दी जाए। बनर्जी ने कहा कि चूंकि चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए जरूरी नीट परीक्षा ये विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं हुए हैं इसलिए ऐसे में सुझाव है कि उन्हें समायोजित करने के लिए बहुत विशेष स्थिति के रूप में प्रासंगिक दिशानिर्देश शिथिल किये जाएं। राज्य के निजी चिकित्सा महाविद्यालय इन विद्यार्थियों को राज्य कोटा फीस पर समायोजित करने पर राजी हैं। पश्चिम बंगाल सरकार ने इन विद्यार्थियां को उनके पाठ्यक्रम शुल्क को उठाने के लिए वित्तीय सहायता देने का भी फैसला किया है। बनर्जी ने तीन पन्नों के पत्र में कहा कि मैं आपसे यह भी अनुरोध करती हूं कि चूंकि अन्य राज्यों में लौटे विद्यार्थी भी ऐसी ही परेशानी से गुजर रहे हैं, ऐसे में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा संभवतः उठाये जाने वाले कदम अन्य राज्यों में भी लागू किये जाएं।

बुलंदशहर में स्याना हिंसा के 36 आरोपितों पर राजद्रोह का आरोप तय, 44 के खिलाफ दाखिल हुई थी चार्जशीट

बुलंदशहर। तीन दिसंबर 2018 को बुलंदशहर जिले के स्याना में हुई हिंसा के मामले में अदालत ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इस हिंसा के 36 आरोपितों पर राजद्रोह के आरोप तय कर दिए हैं। उस वक्त यह हिंसा काफी चचाओं में रही थी। अपर सत्र न्यायालय-12 की अदालत ने स्याना हिंसा के आरोपितों पर हिंसा की अन्य धाराओं के साथ राजद्रोह का आरोप बनाया हैं। विशेष लोक अभियोजक (स्पेशल काउंसिल) यशपाल सिंह राघव ने बताया कि अपर सत्र न्यायालय-12 की न्यायाधीश विनीता विमल ने स्याना हिंसा के 36 आरोपितों पर 124ए राजद्रोह का आरोप तय किया है। इन आरोपितों में बजरंग दल का योगेश राज भी शामिल है। स्पेशल काउंसिल ने बताया कि स्याना हिंसा के एक आरोपित की फाइल अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पाक्सो एक्ट तृतीय ने 124 ए का

चार्ज बनाने को लेकर बचाव पक्ष व सरकारी अधिवक्ता की बहस सुनने के बाद आरोपित पर राजद्रोह का चार्ज तय किया था। जिसके बाद अपर सत्र न्यायालय-12 की अदालत ने स्याना हिंसा के अन्य 36 आरोपितों पर भी चार्ज तय किया था। जिसमें 124ए का चार्ज नहीं बना था। चार्ज में 124 के आरोप बढ़ोतरी को चार्ज संशोधन का प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया था। अदालत ने बचाव पक्ष से प्रार्थन पत्र पर आपत्ति मांगी थी। अदालत ने बचाव व स्पेशल काउंसिल को सुनने के बाद सभी आरोपितों पर चार्ज में 124ए की बढ़ोतरी की है। पुलिस ने चिंगरावठी स्याना हिंसा में 44 लोगों के खिलाफ 302, 307, 436, 353, 147, 148 व 148 समेत आतंकवाद अधिनियम व सरकारी संपत्ति नुकसान अधिनियम में अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था।

वैक्सीन के बाद कोविशील्ड बूस्टर डोज लेने से फायदा

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खिलाफ वैक्सीन मिक्सिंग (जब व्यक्ति को अलग-अलग वैक्सीन दी जाती है) को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। जांच के शुरूआती नतीजों से पता चला है कि अगर कोवैक्सीन के दो डोज लेने वाले व्यक्ति को तीसरे डोज के तौर पर कोविशील्ड दी जाती है, तो एंटीबॉडीज 6 गुना तक बढ़ जाती हैं। फिलहाल, लोगों को बूस्टर डोज के तौर पिछली दो खुराक वाला टीका ही दिया जा रहा है। देश में 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोगों को तीसरी या 'एहतियाती' खुराक दी जा रही है। वेल्लूर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज ने बुधवार को वैक्सीन मिक्सिंग को लेकर शुरूआती नतीजे ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को सौंपे हैं। बताया गया है कि कोविशील्ड के दोनों डोज लेने वाले लोगों को अगर बूस्टर के रूप में कोवैक्सीन दी जाती है, तो एंटीबॉडीज में ज्यादा इजाफा नहीं होता है। खास बात है कि बूस्टर डोज के मामले में वैक्सीन मिक्सिंग को लेकर भारत का यह पहला वैज्ञानिक प्रमाण सामने आया है। स्टडी के अंतिम डेटा के आधार पर नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेशन तीसरी खुराक के

रूप में अलग वैक्सीन दिए जाने पर फैसला ले सकती है। इसके अलावा भारत में बायोलॉजिकल-ई की कोर्बिवैक्स, भारत बायोटेक की इंट्रानेजल वैक्सीन और सीरम इंस्टीट्यूट की कोवावैक्स के प्रभावों की भी जांच की जा रही है। खास बात है कि जानकार बूस्टर डोज प्रोग्राम के विस्तार पर विचार कर रहे हैं।

उप्र में बड़े मंत्रिमंडल के साथ बनेगी नई सरकार नए चेहरों के साथ 2024 पर फोकस का प्लान

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के प्रमुख नेताओं के साथ राज्य में नई सरकार के गठन को लेकर केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक की है। बैठक में मंत्रियों के नामों और एमएलसी चुनाव के लिए उम्मीदवारों को लेकर भी चर्चा हुई है। राज्य में होली के बाद नई सरकार का गठन किया जाएगा। नए मुख्यमंत्री के साथ बड़े आकार वाला मंत्रिमंडल भी शपथ ग्रहण करेगा। भाजपा मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और महासचिव संगठन बी एल संतोष व चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के साथ बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य, स्वतंत्र देव सिंह, सुनील बंसल एवं अन्य नेता मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में राज्य में नई सरकार के गठन में सामाजिक समीकरण एवं सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने के अलावा युवा एवं महिलाओं को ज्यादा स्थान देने के मुद्दे पर मंथन किया गया है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी की कोशिश है कि नई सरकार में विभिन्न सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व हो साथ ही जिन वर्गों का उसे विशेष समर्थन मिला है, उनका भी ख्याल रखा जाए और उन्हें पूरा सम्मान देते हुए मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया जाए। नए चेहरों को आगे लाने की कोशिश होगी पार्टी नए चेहरों को आगे लाने के साथ विभिन्न क्षेत्रों के बीच संतुलन साधने की भी कोशिश करेगी। इसके अलावा 2024 के लोकसभा चुनावों की रणनीति के अनुसार कामकाज को आगे बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई है। साथ ही इस बात पर भी विचार किया गया कि आगामी संसदीय चुनाव में जातिगत समीकरणों का पूरी तरह से संतुलन बना रहे।

विधायक दल की बैठक में होगा नए नेता का चयन पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि होली के बाद 20 या 21 मार्च को विधायक दल की बैठक में नए नेता का चुनाव किए जाने की संभावना है। इसके बाद नई सरकार का शपथ ग्रहण किया जाएगा। पहली बार में ही बड़े आकार का मंत्रिमंडल सत्ता संभालेगा, जिससे कि कामकाज को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय नेतृत्व विधान परिषद की सीटों के लिए भी उम्मीदवार तय करने को लेकर चर्चा कर रहा है। चुनाव आयोग ने एमएलसी की रिक्त सीटों पर होने वाले चुनाव के कार्यक्रम में आंशिक संशोधन कर दिया है। बुधवार को जारी आदेश के अनुसार आयोग ने पहले चरण में 29 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए नामांकन की तिथि 19 मार्च से बढ़ाकर 21 मार्च कर दी है।

दुष्कर्म के आरोपियों को पुलिस ने किया ढेर कस्टडी में की थी भागने की कोशिश

गुवाहाटी। असम पुलिस ने दो लड़कियों से दुष्कर्म के मुख्य आरोपी समेत दो व्यक्तियों को अलग-अलग घटनाओं में मार गिराया है। दोनों आरोपी कथित तौर पर पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे थे। गुवाहाटी में पहली घटना में आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस कर्मियों पर हमला किया, जिन्होंने उस पर गोलियां चलाईं। आरोपी को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। विशेष पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया था और उन्हें आगे की जांच के लिए गुवाहाटी और उदलगुरी में एक चाय बागान में उनके संबंधित अपराध स्थल पर ले जाया जा रहा था। उस दौरान दोनों ने आधी रात के बाद हिरासत से भागने का प्रयास किया। जीएमसीएच के अधीक्षक अभिजीत शर्मा ने कहा कि आरोपी को तड़के करीब एक बजे अस्पताल लाया गया, जिसके शरीर में चार गोलियां लगी थीं। असम पुलिस ने दो लड़कियों से दुष्कर्म के मुख्य आरोपी समेत दो व्यक्तियों को अलग-अलग घटनाओं में मार गिराया है। दोनों आरोपी कथित तौर पर पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे थे। गुवाहाटी में पहली घटना में आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस कर्मियों पर हमला किया, जिन्होंने उस पर गोलियां चलाईं। आरोपी को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। विशेष पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया था और उन्हें आगे की जांच के लिए गुवाहाटी और उदलगुरी में एक चाय बागान में उनके संबंधित अपराध स्थल पर ले जाया जा रहा था। उस दौरान दोनों ने आधी रात के बाद हिरासत से भागने का प्रयास किया।

चिंतन मनन

पूर्व सैनिकों का हक

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए लागू वन रैंक वन पेंशन की नीति को सही ठहराया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें कोई संवैधानिक कमी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नीति में 5 साल में जो पेंशन की समीक्षा का प्रावधान है वह बिल्कुल सही है। इसी प्रावधान के तहत सरकार एक जुलाई 2019 की तारीख से पेंशन की समीक्षा करे। अदालत ने सरकार से सेवानिवृत्त सैनिकों को तीन महीने में बकाया का भुगतान करने के लिए कहा। बता दें कि याचिकाकर्ता भारतीय भूतपूर्व सैनिक आंदोलन (आईईएसएम) ने सरकार के साल 2015 के वन रैंक वन पेंशन नीति के फैसले को चुनौती दी थी। इसमें उन्होंने दलील दी थी कि यह फैसला मनमाना और दुर्भावनापूर्ण है क्योंकि यह वर्ग के भीतर वर्ग बनाता है और प्रभावी रूप से एक रैंक को अलग-अलग पेंशन देता है। दरअसल, केंद्र सरकार ने 7 नवंबर 2015 को वन रैंक वन पेंशन योजना की अधिसूचना जारी की थी जिसमें कहा गया था कि इस योजना की समीक्षा पांच वर्षों में की जाएगी लेकिन भूतपूर्व सैनिक संघ की मांग थी कि इसकी समीक्षा एक साल के बाद हो। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद चल रहा था। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने कहा कि वन रैंक वन पेंशन पर केंद्र के फैसले में कोई दोष नहीं है और सरकार के नीतिगत मामलों में हम दखल नहीं देना चाहते हैं। अदालत ने निर्देश दिया कि सरकार एक जुलाई 2019 की तारीख से पेंशन की समीक्षा करे। तीन महीने में बकाया का भुगतान करे। भूतपूर्व सैनिक संघ द्वारा दायर इस याचिका में भगत सिंह कोश्यारी समिति द्वारा पांच साल में एक बार आवधिक समीक्षा की वर्तमान नीति के बजाय एक स्वचालित वार्षिक संशोधन के साथ एक रैंक-एक पेंशन को लागू करने की मांग की गई थी। बता दें कि 2014 में सत्ता में आते ही केंद्र की भाजपा सरकार ने रिटायर सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन योजना लागू करने की घोषणा की थी। वन रैंक-वन पेंशन स्कीम के तहत अलग-अलग समय पर रिटायर हुए एक ही रैंक के दो सैनिकों की पेंशन राशि में बड़ा अंतर नहीं होगा। भले ही वे कभी भी रिटायर हुए हों। इससे पहले स्थिति यह थी कि 2006 से पहले रिटायर हुए सैनिकों को कम पेंशन मिलती थी, यहां तक कि अपने से छोटे अफसर से भी कम पेंशन उनके खाते में आती थी। इस व्यवस्था को लेकर रिटायर सैनिकों में काफी आक्रोश था और वे लंबे समय से एक समान पेंशन की मांग भी कर रहे थे। इस व्यस्था से मेजर जनरल से लेकर कर्नल, सिपाही, नायक और हवलदार तक प्रभावित थे। वर्तमान में लगभग 25 लाख रिटायर्ड सैनिक हैं। सैनिकों की मांग थी कि जो अफसर कम से कम 7 साल कर्नल की रैंक पर रहा हो, उसे समान रूप से पेंशन मिले। ऐसे अफसरों की पेंशन 10 साल तक कर्नल रहे अफसरों से कम नहीं होगी, बल्कि उनके बराबर होगी। 2008 में पूर्व सैनिकों ने इंडियन एक्स सर्विसमैन मूवमेंट (आईएसएम) नाम से एक संगठन बनाकर लंबे समय तक संघर्ष भी किया। दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार धरने-प्रदर्शन किए गए। फौजियों की मांग थी कि उन्हें भी 60 साल पर रिटायर किया जाए। सैनिकों को 33 साल पर ही रिटायर कर दिया जाता है और उसके बाद सारा जीवन उन्हें पेंशन पर ही गुजारना पड़ता है जबकि अन्य कर्मचारी 60 साल तक पूरी तनख्वाह पाते हैं। फौजी सिर्फ इतना ही चाहते थे कि छठे वेतन आयोग को लागू करते हुए समान पद और समान समय तक सर्विस कर चुके फौजियों को एक समान पेंशन दी जाए, चाहे दोनों किसी भी साल में रिटायर हुए हों। कुछ राज्य सरकारों ने भी सैनिकों की इस मांग का समर्थन किया था। यह आंदोलन इतना तेज हुआ कि पूर्व सैनिकों ने अपने खून से पत्र लिखकर राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया और हजारों सैनिकों ने अपने मैडल तक वापस कर दिए। रिटायर सैनिकों में समान पेंशन की मांग लंबे समय से है. इतिहास के पन्नों को पलटा जाए तो पता चलता है कि 1973 तक सशस्त्र बलों में वन रैंक, वन पेंशन योजना थी और उन्हें अन्य कर्मचारियों से ज्यादा वेतन मिलता था लेकिन 1973 में आए तीसरे वेतन आयोग ने सैनिकों की तनख्वाह आम लोगों के समान कर दी थी। 2008 में पूर्व सैनिकों ने इंडियन एक्स सर्विसमैन मूवमेंट (आइएसएम) नाम से एक संगठन बनाकर वन रैंक, वन पेंशन की मांग को लेकर एक बड़ा आंदोलन किया था।

मिलते ही कमान !

लगे होने फैसले ।
मिलते ही कमान ।।
खरा उतरना होगा ।
मिला जो सम्मान ।।
काम पड़ा है ज्यादा ।
समय बचा है अल्प ।।
डटने के अलावा ।
ना कोई विकल्प ।।
वादा है निभाना ।
करके पूरा काम ।।
ना जब तक कर पाएं ।
होंगे ना गुमनाम ।।
पक्का अब विकास की ।
बहेगी बयार ।।
बदले जीवनशैली ।
ये आपका अधिकार ।।

-कृष्णेन्द्र राय

फागुन का श्रंगार : होली

"जीवन फागुन बन गया, गाता मंगल गीत।
आओ, हम अंकर भरे, नेह भरी नव प्रीत।।"

होली वसंत का एक उल्लासमय पर्व है। होली को वसंत का यौवन भी कहा जाता है।इस समय प्रकृति सरसों की पीली साड़ी पहनकर किसी की राह देखती हुई प्रतीत होती है। हमारे पूर्वजों में भी होली त्यौहार को आपसी प्रेम का प्रतीक माना जाता है। इसमें सभी छोटे-बड़े लोग मिलकर पुराने भेदभावों को भुला देते हैं। होली रंग का त्योहार होता है और रंग आनन्द पर्याय होते हैं। वसंत के मौसम में प्रकृति की सुन्दरता भी मनमोहक होती है।

जब सारी प्रकृति यौवन से सराबोर हो जाती है तो मनुष्य भी आनन्द से झूमने लगता है होली पर्व इसी का प्रतीक है। इस रंगीन उत्सव के समय पूरा वातावरण उल्लासमय हो जाता है।

वसंत में जब प्रकृति के अंग-अंग में यौवन फूट पड़ता है तो होली का त्यौहार उसका श्रंगार करने आता है। होली एक ऋतू संबंधी त्यौहार है। शीतकाल की समाप्ति और ग्रीष्मकाल के आरम्भ इन दोनों ऋतुओं को मिलाने वाले संधि काल का पर्व ही होली कहलाता है। शीतकाल की समाप्ति पर किसान लोग आनन्द विभोर हो उठते हैं। उनका पूरी साल भर का किया गया कठोर परिश्रम सफल हो उठता है,और उनकी फसल पकनी शुरू हो जाती है। होली के त्योहार को होलिकोत्सव भी कहा जाता है। होलिका शब्द से ही होली बना है। होलिका शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के होल्क शब्द से हुई है जिसका शाब्दिक अर्थ भुना हुआ अन्न होता है। प्राचीनकाल में जब किसान अपनी नई फसल काटता था तो सबसे पहले देवता को भोग लगाया जाता था इसलिए नवान्न को अग्नि को समर्पित कर भूना जाता था। उस भुने हुए अन्न को सब लोग परस्पर मिलकर खाते थे। इसी खुशी में नवान्न का भोग लगाने के लिए उत्सव मनाया जाता था। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में इस परम्परा से होलिकोत्सव मनाया जाता है। होली के उत्सव के पीछे एक रोचक कहानी है, जिसका काफी महत्व है। पुरातन काल में राजा हिरण्यकश्यप और उसकी बहन होलिका के अहंकार और हिरण्यकश्यप के पुत्र प्रह्लाद की भक्ति से ही इस उत्सव की शुरूआत हुई थी। हिरण्यकश्यप को ब्रह्मा द्वारा वरदान स्वरूप बहुत सी शक्तियाँ प्राप्त हुई थीं जिनके बल पर वह अपनी प्रजा का राजा बन बैठा था।

कहा जाता है कि भक्त प्रहलाद भगवान विष्णु का नाम लेता था। प्रहलाद का पिता उसे ईश्वर का नाम लेने से रोकता था क्योंकि वह खुद को भगवान समझता था। प्रहलाद इस बात को किसी भी रूप से स्वीकार नहीं कर रहा था। प्रहलाद को अनेक दंड दिए गये लेकिन भगवान की कृपा होने की वजह से वे सभी दंड विफल हो गए। हिरण्यकश्यप की एक बहन थी जिसका नाम होलिका था। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि उसे अग्नि जला नहीं सकती थी। होलिका अपने भाई के आदेश पर प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर चिता पर बैठ गयी। भगवान की महिमा की वजह से होलिका उस चिता में चलकर राख हो गयी, लेकिन प्रहलाद को कुछ नहीं हुआ था। इसी वजह से इस दिन होलिका दहन भी किया जाता है। भगवान श्री कृष्ण से पहले यह पर्व सिर्फ होलिका दहन करके मनाया जाता था लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने इसे रंगों के त्यौहार में परिवर्तित कर दिया। भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना राक्षसी का वध किया था जो होली के अवसर पर उनके घर आई थी। बाद में उन्होंने इस त्यौहार को गोप-गोपिकाओं के साथ रासलीला और रंग खेलने के उत्सव के रूप में मनाया। तभी से इस त्यौहार पर दिन में रंग खेलने और रात्रि में होली जलाने की परम्परा बन गई थी।

होली के दिन एक झंडा या कोई बड़ी डंडी को किसी सार्वजनिक स्थान पर गाडा जाता है। इस डंडे की पूजा कर उसके फेरे लगाकर मंगलकामना की जाती है और होली के मुहूर्त के समय इस डंडे को निकालकर इसके चारों तरफ लकड़ियाँ और उपले इकट्ठे किए जाते हैं। हिन्दू धर्म के अनुसार पूजा के बाद इन लकड़ियों में आग लगाई जाती है और राख से तिलक लगाया जाता है। इसे होलिका

दहन का प्रतीक माना जाता है। इस आग में किसान अपने अपने खेत के पहले अनाज के कुछ दानों को सेकते हैं और सब में बांटते हैं। इसी से मिलन और भाईचारे की भावना जागृत होती है। होली दो दिन का त्यौहार होती है। होली की तैयारियां कई दिन पहले से ही शुरू हो जाती हैं। होली से पहली रात को होलिका दहन किया जाता है जिस पर घमंड और नकारात्मक प्रवृति का आहुति स्वरूप दहन किया जाता है। होलिका दहन से अगली सुबह फूलों के रंगों से खेलते हुए होली का शुभारम्भ किया जाता है। इस दिन को धुलेंडी भी कहा जाता है। इस दिन लोग एक-दुसरे पर रंग, गुलाल डालते हैं। होली को सभी लोग रंग-बिरंगे गुलाल और पानी में रंगों को घोलकर पिचकारियों से एक-दुसरे के उपर रंग डालकर प्रेम से खेलते हैं।

सडकों पर बच्चों, बूढों, लडकियों और औरतों की टोलियाँ गाती, नाचती, गुलाल मलती और रंग भरी पिचकारी छोडती हुई देखी जाती हैं। सबकों के दिलों में प्रसन्नता छाई रहती है। सारे देश में लोग अपनी-अपनी परम्परा से होली मनाते हैं, परन्तु सभी रंग द्वारा अपनी खुशी की अभिव्यक्ति करते हैं। छोटे बच्चे बड़ों को उनके पैरों में गुलाल डालकर प्रणाम करते हैं और बड़े छोटों को गुलाल से टिका लगाकर आशीर्वाद देते हैं। सभी लोग अपने प्रियजनों के घर जाकर पकवान खाते हैं और बधाईयाँ देते हैं। चारों दिशाएं खुशियों से सराबोर हो जाती हैं। होली के दिन का हिन्दुओं में बहुत महत्व होता है। होली का त्योहार दुश्मनों को भी दोस्त बना देता है। अमीर-गरीब, क्षेत्र, जाति, धर्म का कोई भेद नहीं रहता है। इस दिन लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं और रंगों के साथ खेलते हैं। दूर रहने वाले दोस्त भी इस बहाने से मिल जाते हैं। इस दिन सभी लोग अपनी नाराजगी, गम और नफरत को भुला कर एक-दूसरे के साथ एक नया रिश्ता बनाते हैं। समाज में बेहतर गठन के लिए होली की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। होली का त्यौहार अपने साथ बहुत से संदेश लाता है। होली का त्यौहार हमें भेदभाव और बुराईयों से दूर रहने की सलाह देता है।

होली आनन्द का सरोवर व खुशी का खजाना सबके अंतःकरण में विद्यमान है, परन्तु वह कुछ बाह्य शिष्टाचार के बंधनों की वजह से पूर्ण-रूपेण व्यक्त नहीं हो पाता है। जब वे बंधन टूट जाते हैं तो खुशी का खजाना फुट जाता है हम एक अतुलित आनन्द की अनुभूति करते हैं। होली के पीछे यही मनोवैज्ञानिक नियम समाविष्ट है, उसमें हम शिष्टाचार के बंधन तोड़ कर एक-दुसरे पर रंग बिखेरते हैं। शब्दों द्वारा कुछ कहकर, खुद नाचकर, गाकर अपने अंतःकरण की खुशियाँ व्यक्त करते हैं। प्रेम और एकता का प्रतीक : होली ही एक ऐसा त्यौहार है जिसमें हम शिष्टाचार के बंधन तोडकर छोटे-बड़े, वृद्ध-बाल, राजा-रंक एक दुसरे का विविध तरीके से उपहास करते हैं, मिलकर गाते हैं, नाचते हैं। होली के इस त्यौहार में हर कोई एकता में बंध जाता है। इस दिन बुरा मानना अनुचित समझा जाता है लेकिन बुरा कहने में कोई रोक नहीं होती है। व्यक्ति एक-दुसरे से गले मिलते हैं और अपने ह्रदय की खुशियों को पूर्ण-रूपेण बिखेर देते हैं । मानो इससे मेल व प्रेम का स्त्रोत बहने लगता है।

पर, इतनी खुशियों के त्योहार में भी कई लोग शराब पीकर और नशे में चूर होकर लड़ाई-झगड़े पर उतर जाते हैं। कई स्थानों पर अपनी शत्रुता का बदला लेने के लिए अनुचित साधनों का प्रयोग किया जाता है। जिसका फल यह होता है कि रंग का त्यौहार रंज के त्यौहार में बदल जाता है। प्रेम, दुश्मनी में बदल जाता है जिसे कहते हैं रंग में भंग होना।

लेकिन यह स्थिति कहीं-कहीं पर ही होती है। वास्तव में होली का त्योहार बड़ा ही ऊँचा दृष्टिकोण लेकर प्रचलित हुआ है,पर आज के लोगों ने इसका रूप ही बिगाड़ दिया है।वस्तुतः होली मेल, एकता, प्रेम, खुशी व आनन्द का त्येहार है। इसमें बुजुर्ग या प्रतिष्ठित व्यक्ति भी सबके बीच नाचते हुए दिखाई देते हैं। इस दिन की खुशी नस-नस में नया खून प्रवाहित कर देती है। बाल-वृद्ध सभी में एक नई उमगें भर जाती हैं। सभी के मन से निराशा दूर हो जाती है,और प्रतीत होता है कि मानो सम्पूर्ण जीवन ही वसंत समग्र सृष्टि को ही उल्लासित कर रहा है।

"फगुनाया मौसम रचे, जीवन का संगीत।
होली आकर दे रही, अंतस को नव जीत।।"

होली पर असावधानियां न दें जिंदगी भर का दर्द

रंगों के त्यौहार होली पर भला कौन ऐसा व्यक्ति होगा, जो आपसी द्वेषभाव भुलाकर रंग-बिरंगे रंगों में रंग जाना नहीं चाहेगा। लोग एक-दूसरे पर रंग डालकर, गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं लेकिन होली के दिन प्राकृतिक रंगों के बजाय चटकीले रासायनिक रंगों का बढ़ता उपयोग चिन्ता का सबब बनने लगा है। ज्यादातर रंग अम्लीय अथवा क्षारीय होते हैं, जो व्यावसायिक उद्देश्य से ही तैयार किए जाते हैं और थोड़ी सी मात्रा में पानी में मिलाने पर भी बहुत चटक रंग देते हैं, जिससे होली पर इनका उपयोग अंधाधुंध होता है। ऐसे रंगों का त्वचा पर बहुत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। शुष्क त्वचा वाले लोगों और खासकर महिलाओं व बच्चों की कोमल त्वचा पर तो इन रंगों का सर्वाधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। अम्ल तथा क्षार के प्रभाव से त्वचा पर खुजलाहट होने लगती है और कुछ समय बाद छोटे-छोटे सफेद रंग के दाने त्वचा पर उभरने शुरू हो जाते हैं, जिनमें मवाद भरा होता है। यदि तुरंत इसका सही उपचार कर लिया जाए तो ठीक, अन्यथा त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियां भी पनप सकती हैं। घटिया क्वालिटी के बाजारू रंगों से एलर्जी, चर्म रोग, जलन, आंखों को नुकसान, सिरदर्द इत्यादि विभिन्न हानियां हो सकती हैं। कई बार होली पर बरती जाने वाली छोटी-छोटी असावधानियां भी जिंदगी भर का दर्द दे जाती हैं। इसलिए अगर

आप अपनी होली को खुशनुमा और यादगार बनाना चाहते हैं तो इन बातों पर अवश्य ध्यान दें:-

- रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल करें। ज्यादातर बाजारू रंगों में इंजन ऑयल तथा विभिन्न घातक केमिकल मिले होते हैं, जिनका त्वचा पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है।

होली खेलने से पहले चेहरे तथा पूरे शरीर पर सरसों अथवा नारियल का तेल या कोल्ड क्रीम अथवा सनस्क्रीन क्रीम लगा लें ताकि रोमछिद्र बंद हो जाएं और रंग त्वचा के ऊपरी हिस्से पर ही रह जाएं। इससे होली खेलने के बाद त्वचा से रंग छुड़ाने में भी आसानी होगी।

- होली खेलने से पहले बालों में अच्छी तरह तेल लगा लें और नाखूनों पर कैस्टर ऑयल लगाएं ताकि बाद में रंग आसानी से छुड़ाया जा सके।

- होली खेलने जाने से पूर्व आंखों में गुलाब जल डालें और जहां तक संभव हो, आंखों पर चश्मा लगाकर होली खेलें ताकि रंगों का असर आंखों पर न पड़ सके।

- महिलाएं होली खेलते समय मोटे तथा ढ़ीले-ढ़ाले सूती तथा गहरे रंग के वस्त्र पहनें। सफेद अथवा हल्के रंग के वस्त्र पानी में भीगकर शरीर से चिपक जाते हैं, जिससे सार्वजनिक रूप से महिला को शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ सकता है।

- आप ऐसा व्यवहार हरगिज न करें, जिससे आपके रिश्तेदारों, पति के मित्रों अथवा अन्य पुरूषों को आपसे छेड़छाड़ करने का अनुचित अवसर मिल सके। अपना व्यवहार पूर्णतः संयमित, शालीन और मर्यादित रखें और सामने वाले की कोई गलत हरकत देखने के बाद भी उस पर मौन साधकर उसे और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित न करें।

- होली खेलने के तुरंत बाद स्नान अवश्य करें लेकिन त्वचा से रंग छुड़ाने के लिए कपड़े धोने के साबुन, मिट्टी के तेल, चूने के पानी, दही, हल्दी इत्यादि का प्रयोग हानिकारक है। चेहरे पर लगे गुलाल को सूखे कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें और रंग लगा हो तो नारियल तेल में रूई डुबोकर अथवा क्लींजिंग मिल्क से हल्के हाथ से त्वचा पर लगा रंग साफ करें। रंग छुड़ाने के लिए नहाने के पानी में थोड़ी सी फिटकरी डाल लें और ठंडे पानी से ही स्नान करें। गर्म पानी से रंग और भी पक्के हो जाते हैं। डिटर्जेंट सोप के बजाय नहाने के अच्छी क्वालिटी के साबुन का उपयोग किया जा सकता है।

- स्नान के बाद भी त्वचा पर खुजली या जलन महसूस हो तो गुलाब जल में ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं।

- बालों से रंग छुड़ाने के लिए बालों को शैम्पू करें।

स्नान के बाद आंखों में गुलाब जल डालें। होली खेलते समय यदि आंखों में रंग चला जाए अथवा आंखों में जलन महसूस हो तो आंखों को मलें नहीं बल्कि तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें।

भक्ति और भाईचारे के रंगों से सजा है होली का त्यौहार

हमारे भारत देश में तरह-तरह के त्यौहार हैं। सबका अपना-अपना महत्व है और अपने अपने तौर-तरीके। लेकिन इन सब त्योहारों में भी होली का जो महात्म्य है, उसकी तुलना भारत तो क्या संसार के किसी त्योहार से करना कठिन है। होली के पर्व में जहां भक्ति के रंग हैं, वही भाईचारे की मिठास भी है। शास्त्रों की दृष्टि से देखें तो होली विशुद्ध रूप से सत्य निष्ठा का पर्व है। ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति का त्यौहार है। भक्त प्रहलाद अपने पिता के खिलाफ सत्य और ईश्वर की भक्ति पर अडिग रहते हैं और इस सत्य पर कायम रहने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने को भी तत्पर रहते हैं। इस तरह होली का त्यौहार हमें बताता है कि हमें हर सूरत में बुराई से दूर रहना है, उस स्थिति में जबकि बुराई हमारा सबसे कोई सम्मानित या प्रिय व्यक्ति भी कर रहा हो। भक्त प्रहलाद की कथा में होलिका का दहन हो जाता है और प्रहलाद पूरी तरह सुरक्षित होकर बाहर निकल आते हैं। इस कथा का मर्म यही है कि बुराई कितनी भी ताकतवर क्यों ना हो अंततः वह अच्छाई के सामने धू-धू करके जल जाती है। इस गहरे शास्त्रीय और आध्यात्मिक अर्थ के साथ ही होली का दूसरा स्वरूप है, जो होलिका दहन के अगले दिन हमें दिखाई देता है। लोग एक दूसरे को रंग गुलाल लगाते हैं, जिनसे वर्षों से बोलचाल खत्म हो गया हो, उनसे भी जाकर मिलते हैं और प्रेम के सूखते हुए पौधे में रंगों की बौछार डालते हैं। यह रंगों की बौछार हमारे भारतीय समाज को इतनी प्रिय है कि बहुत से इलाकों में होली के दिन और दोज के दिन यानी 2 दिन तक होली मनाई जाती है। मालवा और भोपाल के इलाकों में होली के बाद रंग पंचमी पर एक बार फिर से उससे उससे ज्यादा उत्साह के साथ रंगों का त्योहार मनाया जाता है।

तेल देखो.... तेल की धार देखो

हमारे परम्परावादी देश में कल्पना या सुखद भविष्य के सपने विशेष महत्व रखते है और कई क्षेत्रों में हम हमारी इसी परम्परा के कारण अन्तर्राष्ट्रीय स्पद्धाओं में पिछड़ भी रहे है। हम हमारी छोटी सी उपलब्धि को भविष्य का संकेत मान यथार्थ के धरातल से अपने आपको ऊँचा कर गर्व से दुनिया की ओर देखने लगते है, जबकि वर्तमान व भविष्य की चुनौतियों में मौजुदा उपलब्धि का सही आंकलन नहीं करते।

मेरे इस तर्क को यदि ताजा उदाहरण देकर समझाया जाए तो वह अधिक सहज हो जाएगा। हाल ही में सम्पन्न पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव परिणामों से प्रोत्साहित होकर देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी भविष्य के सुनहरे सपनों में खो गई है और दो साल बाद 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों के सुखद परिणामों की कल्पना में खो गई है, जबकि सभी को ज्ञात है कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले करीब दस और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव होना है और इन राज्यों की विधानसभाओं के भी उत्तरप्रदेश जैसे चुनाव परिणाम आएं, ये कोई जरूरी नहीं है। वैसे 2024 के लोकसभा चुनावों के पहले राज्यसभा के अहम् चुनाव होना है और ये राज्यसभा के चुनाव देश के भावी राष्ट्रपति का भविष्य तय करेगें इसलिए फिलहाल केवल पांच राज्यों के परिणामों के आधार पर देश के राजनीतिक भविष्य की कल्पना करना कतई ठीक नहीं है।

इसी सन्दर्भ में यहां यह भी उल्लेख करना जरूरी है कि चूंकि देश से कांग्रेस का अस्तित्व धीरे-धीरे खत्म हो रहा है और उसे ही चूंकि प्रमुख प्रतिपक्षी दल माना जाता रहा है इसलिए भी यह कल्पना की जा रही है कि मोदी जी की भाजपा के सामने वर्तमान व भविष्य में कोई चुनौति नहीं है, किंतु भाजपा का यह विचार दिवास्वप्न भी बन सकता है, यदि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी अपने कांग्रेस विहीन मजबूत प्रतिपक्ष के

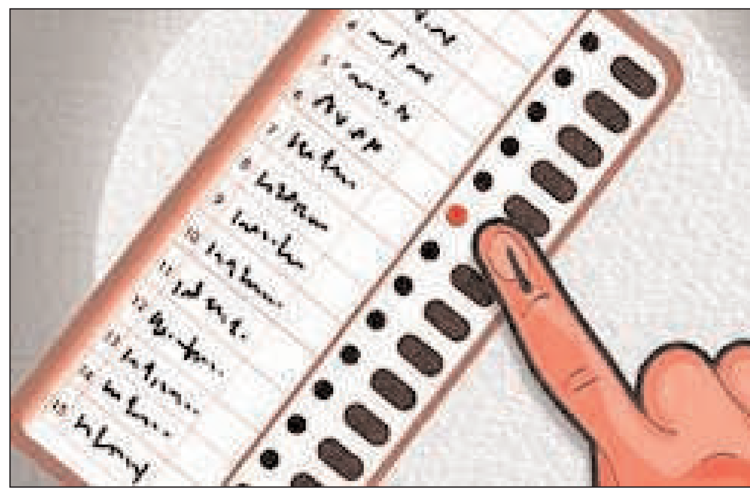

अपने इरादों में सफल हो जाती है। फिर ममता बैनर्जी को पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा का भी साथ मिला हुआ है और संभव है भविष्य में चुनौति के समय वरिष्ठ प्रतिपक्षभ नेता शरद पवार भी साथ है पवार, ममता व देवगौड़ा की तिकड़ी देश का राजनीतिक नक्शा बदल भी सकती है। हम पिछले राष्ट्रपति चुनाव का ही उदाहरण सामने रख सकते है, 2017 में राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी भाजपा के पास थे, इस वजह से भाजपा उम्मीदवार रामनाथ कोविंद की जीत आसान हो गई लेकिन इस बार ऐसा नहीं है, फिर राष्ट्रपति चुनाव के लिए क्षेत्रिय दलों ने लामबंदी अभी से शुरू भी कर दी है। फिर राष्ट्रपति चुनाव तो फिर भी वर्तमान पार्टी क्षमता पर निर्भर है, इसलिए एक बार यह माना भी जा सकता है कि तब तक इन पांच राज्यों में होने वाले राज्यसभा चुनावों से भाजपा प्रत्याशी की तकदीर संवर सकती है, किंतु निकट भविष्य में ही पन्द्रह और राज्यों में विधानसभा चुनाव होना है इसलिए 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद की राजनीतिक तस्वीर की कल्पना फिलहाल कैसे की जा सकती है, जरूरी नहीं कि भावी चुनाव वाले सवा दर्जन राज्यों में भी विधानसभा चुनावों के समय मोदी मैजिक चल पाये? ....और यह तो सभी को पता है कि भारत का राजनैतिक परिदृष्य बदलने मे ंकोई ज्यादा समय नहीं लगता यहां तो कुछ घण्टों में ही सरकारें बदलने का भी इतिहास रहा है इसलिए मौजूदा परिदृष्य के आधार पर दो साल बाद के भी परिदृष्य की कल्पना कैसे की जा सकती है और देश में सत्तारूढ़ दल सुनहरे दिवास्वप्न में खो सकता है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनावों से पहले गुजरात-हिमाचल (2022) तथा मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैण्ड राज्यों में विधानसभा चुनाव सम्पन्न होना है। ....और इन दस राज्यों में भी भाजपा उत्तरप्रदेश की तर्ज पर परिणाम प्रस्तुत करें, यह जरूरी तो नहीं है, फिर जहां तक प्रतिपक्षी कांग्रेस दल का सवाल है, मौजूदा व्यापक हार के बाद उसकी भी छटपटाहट बढ़ गई है और वह जाग्रत हो गई है, वह अगले दो साल में अपने आपको कितना मजबूत करती है? यह भी एक प्रमुख मुद्दा है, इसलिए मौजूदा विधानसभा चुनावों के परिणामों के आधार पर फिलहाल 2024 के परिदृष्य की कल्पना करना कतई ठीक नहीं होगा। फिलहाल तो देश के सत्तारूढ़ दल को भी 2024 की कल्पना छोड़ राज्यसभा चुनावों व राष्ट्रपति के चुनाव के बारे में ही गंभीर चिंतन करना चाहिए, क्योंकि भारत में राजनीतिक परिदृष्य बदलने का इतिहास हमेशा अपने आप को दोहराता आया है।

27 वर्ष की उम्र में ही शांति की खोज में लग गये थे गौतम बुद्ध

बुध पूर्णिमा न केवल बौध धर्म के अनुयायियों के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। इस साल यह 30 अप्रैल को मनाया गया। बुध पूर्णिमा को बुद्ध जयंती और उनके निर्वाण दिवस के रूप में जाना जाता है। यानी यही वह दिन था जब बुद्ध ने जन्म लिया, शरीर का त्याग किया था और मोक्ष प्राप्त किया। भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का 9वां अवतार माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिये भी उनका महत्व है।

बुद्ध संन्यासी बनने से पहले कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ थे। शांति की खोज में वे 27 वर्ष की उम्र में घर-परिवार, राजपाट आदि छोड़कर चले गए थे। भ्रमण करते हुए सिद्धार्थ काशी के समीप सारनाथ पहुंचे, जहाँ उन्होंने धर्म परिवर्तन किया। यहाँ उन्होंने बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे कठोर तप किया। कठोर तपस्या के बाद सिद्धार्थ को बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई और वह महान संन्यासी गौतम बुद्ध के नाम से प्रचलित हुए और अपने ज्ञान से समूचे विश्व को ज्योतिर्मय किया। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। वे महलों में बंद न रह सके। उन्होंने स्वयं प्रथम ज्ञान-प्राप्ति का व्रत लिया था और वर्षों तक वनों में घूम-घूम कर तपस्या करके आत्मा को ज्ञान से आलोकित किया। स्वयं ने सत्य की ज्योति प्राप्त की और फिर जनता में बुराइयों के खिलाफ आवाज बुलन्द किया। गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया और अत्यन्त कुशलता से बौद्ध भिक्षुओं को संगठित किया और लोकतांत्रिक रूप में उनमें एकता की भावना का विकास किया। इसका अहिंसा एवं करुणा का सिद्धांत इतना लुभावना था कि सम्राट अशोक ने दो वर्ष बाद इससे प्रभावित होकर बौद्ध मत को स्वीकार किया और युद्धों पर रोक लगा दी। इस प्रकार बौद्ध मत देश की सीमाएं लांघ कर विश्व के कोने-कोने तक अपनी ज्योति फैलाने लगा। आज भी इस धर्म की मानवतावादी, बुद्धिवादी और जनवादी परिकल्पनाओं को नकारा नहीं जा सकता और इनके माध्यम से भेद भावों से भरी व्यवस्था पर जोरदार प्रहार किया जा सकता है। यही धर्म आज भी दुःखी एवं अशान्त मानवता को शान्ति प्रदान कर सकता है। ऊँच-नीच, भेदभाव, जातिवाद पर प्रहार करते हुए यह लोगों के मन में धार्मिक एकता का विकास कर रहा है। विश्व शान्ति एवं परस्पर भाईचारे का वातावरण निर्मित करके कला, साहित्य और संस्कृति के विकास के मार्ग को प्रशस्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वास्तव में देखा जाए तो राज-शासन और धर्म-शासन दोनों का ही मुख्य उद्देश्य जनता को सन्मार्ग पर ले जाना है। परन्तु राज-शासन के अधिनायक स्वयं मोहमाया ग्रस्त प्राणी होते हैं, अतः वे समाज सुधार के कार्य में पूर्णतया सफल नहीं हो पाते। भला, जो जिस चीज को अपने हृदयतल में से नहीं मिटा सकता, वह दूसरे हजारों हृदयों से उसे कैसे मिटा सकता है? राज-शासन की आधारशिला प्रेम, स्नेह एवं सद्भाव की भूमि पर नहीं रखी जाती है, वह रखी जाती है, प्रायः भय, आतंक और दमन की नींव पर। यही कारण है कि राज-शासन प्रजा में न्याय, नीति और शांति की रक्षा करता हुआ भी अधिक स्थायी व्यवस्था कायम नहीं कर सकता। जबकि धर्म-शासन परस्पर के प्रेम और सद्भाव पर कायम होता है, फलतः वह सत्य-पथ प्रदर्शन के द्वारा मूलतः समाज का हृदय परिवर्तन करता है और सब ओर से पापाचार को हटाकर स्थायी न्याय, नीति तथा शांति की स्थापना करता है। बुद्ध अन्ततोगत्वा इसी निर्णय पर पहुंचे कि भारत का यह दुःसाध्य रोग साधारण राजनीतिक हलचलों से दूर होने वाला नहीं है। इसके लिए तो सारा जीवन ही उत्सर्ग करना पड़ेगा, क्षुद्र परिवार का मोह छोड़ कर 'विश्व-परिवार' का आदर्श अपनाना होगा। राजकीय वेशभूषा से सुसज्जित होकर साधारण जनता में घुला-मिला नहीं जा सकता। वहां तक पहुंचने के लिए तो ऐच्छिक लघुत्व स्वीकार करना होगा, अर्थात् भिक्षुत्व स्वीकार करना होगा। संन्यासी बनकर गौतम बुद्ध ने अपने आप को आत्मा और परमात्मा के निरर्थक विवादों में फंसाने की अपेक्षा समाज कल्याण की ओर अधिक ध्यान दिया। उनके उपदेश अधिकतर सामाजिक एवं सांसारिक समस्याओं तक ही सीमित रहे। यही कारण है कि उनकी बात लोगों की समझ में सहज रूप से ही आने लगी। महात्मा बुद्ध ने मध्यममार्ग अपनाते हुए अहिंसा युक्त दस शीलों का प्रचार किया तो लोगों ने उनकी बातों से स्वयं को सहज ही जुड़ा हुआ पाया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपनी तृष्णाओं पर विजय प्राप्त कर ले तो वह निर्वाण प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार उन्होंने पुरोहितवाद पर करारा प्रहार किया और व्यक्ति के महत्त्व को प्रतिष्ठित किया। मानवता को बुद्ध की सबसे बड़ी देन है भेदभाव को समाप्त करना। यह एक विडम्बना ही है कि बुद्ध की इस धरती पर आज तक छूआछूत, भेदभाव किसी न किसी रूप में विद्यमान हैं। उस समय तो समाज छूआछूत के कारण अलग-अलग वर्गों में विभाजित था। बौद्ध धर्म ने सबको समान मान कर आपसी एकता की बात की तो बड़ी संख्या में लोग बौद्ध मत के अनुयायी बनने लगे। कुछ दशक पूर्व डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने भारी संख्या में अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध मत को अंगीकार किया ताकि हिन्दू समाज में उन्हें बराबरी का स्थान प्राप्त हो सके। बौद्ध मत के समानता के सिद्धांत को व्यावहारिक रूप देना आज भी बहुत आवश्यक है। मूलतः बौद्ध मत हिन्दू धर्म के अनुरूप ही रहा और हिन्दू धर्म के भीतर ही रह कर महात्मा बुद्ध ने एक क्रान्तिकारी और सुधारवादी आन्दोलन चलाया। महात्मा बुद्ध सामाजिक क्रांति के शिखर पुरुष थे। उनका दर्शन अहिंसा और करुणा का ही दर्शन नहीं है बल्कि क्रांति का दर्शन है। उन्होंने केवल धर्म तीर्थ का ही प्रवर्तन नहीं किया बल्कि एक उन्नत और स्वस्थ समाज के लिए नये मूल्य-मानक गढ़े। उन्होंने प्रगतिशील विचारों को सही दिशा ही नहीं दी बल्कि उनमें आये ठहराव को तोड़कर नयी क्रांति का सूत्रपात किया। बुद्ध ने कहा- पुण्य करने में जल्दी करो, कहीं पाप पुण्य का विश्वास ही न खो दे। सामाजिक क्रांति के संदर्भ में उनका जो अवदान है, उसे उजागर करना वर्तमान युग की बड़ी अपेक्षा है। ऐसा करके ही हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे। बुद्ध ने समतामूलक समाज का उपदेश दिया। जहां राग, द्वेष होता है, वहां विषमता पनपती है। इस दृष्टि से सभी समस्याओं का उत्स है- राग और द्वेष। व्यक्ति अपने स्वार्थों का पोषण करने, अहं को प्रदर्शित करने, दूसरों को नीचा दिखाने, सत्ता और सम्पत्ति हथियाने के लिए विषमता के गलियारे में भटकता रहता है।

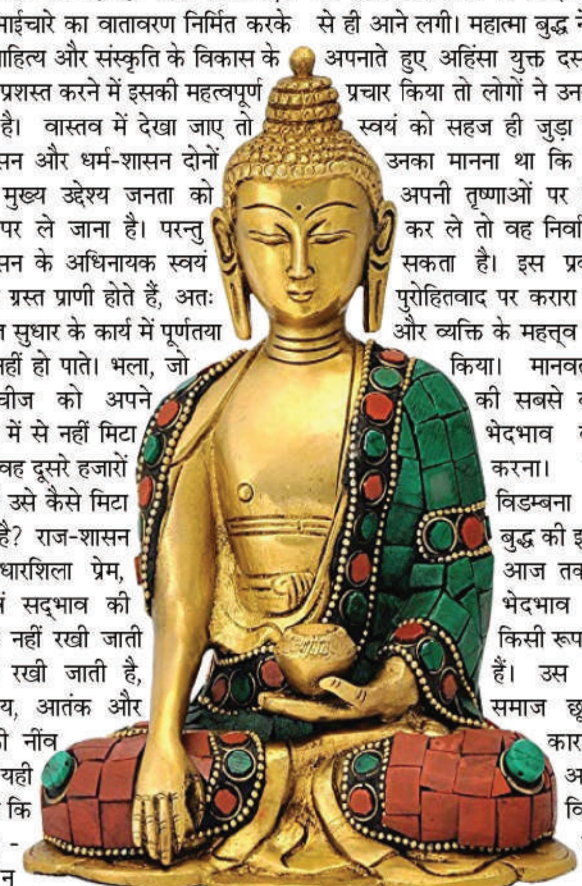

गौतम बुद्ध ने लगभग 40 वर्ष तक घूम घूम कर अपने सिद्धांतों का प्रचार प्रसार किया। वे उन शीर्ष महात्माओं में से थे जिन्होंने अपने ही जीवन में अपने सिद्धांतों का प्रसार तेजी से होता और अपने द्वारा लगाए गए पौधे को वटवृक्ष बन कर पल्लवित होते हुए स्वयं देखा। गौतम बुद्ध ने बहुत ही सहज वाणी और सरल भाषा में अपने विचार लोगों के सामने रखे। अपने धर्म प्रचार में उन्होंने समाज के सभी वर्गों, अमीर गरीब, ऊँच नीच तथा स्त्री-पुरुष को समानता के आधार पर सम्मिलित किया। बुद्ध ने जन-जन के बीच आने से पहले, अपने जीवन के अनुभवों को बांटने से पहले, कठोर तप करने से पहले, स्वयं को अकेला बनाया, खाली बनाया। तप तपा। जीवन का सच जाना। फिर उन्होंने कहा अपने भीतर कुछ भी ऐसा न आने दो जिससे भीतर का संसार प्रदूषित हो। न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा कहो। यही खालीपन का संदेश सुख, शांति, समाधि का मार्ग है। उन्होंने अप्प दीपो भव- अपने दीपक स्वयं बनने की बात कही। क्योंकि दिन-रात संकल्पों-विकल्पों, सुख-दुख, हर्ष-विषाद से घिरे रहना, कल की चिंता में झुलसना, तनाव का भार ढोना, ऐसी स्थिति में भला मन कब कैसे खाली हो सकता है? कैसे संतुलित हो सकता है? कैसे समाधिस्थ हो सकता है? इन स्थितियों को पाने के लिए वर्तमान में जीने का अभ्यास जरूरी है। न अतीत की स्मृति और न भविष्य की चिंता। जो आज को जीना सीख लेता है, समझना चाहिए उसने मनुष्य जीवन की सार्थकता को पा लिया है और ऐसे मनुष्यों से बना समाज ही संतुलित हो सकता है, स्वस्थ हो सकता है, समतामूलक हो सकता है। जरूरत है उन्नत एवं संतुलित समाज निर्माण के लिए महात्मा बुद्ध के उपदेशों को जीवन में ढालने की। बुद्ध-सी गुणात्मकता को जन-जन में स्थापित करने की। ऐसा करके ही समाज को स्वस्थ बना सकेंगे।

पैरों को हेल्दी रखने के लिए अप्लाई करें फेसपैक्स

मानसून के मौसम में भीगना तो हर किसी को अच्छा लगता है, लेकिन मौसम में बदलाव अपने साथ कई तरह की परेशानियां लेकर आता है। खासतौर से, इस मौसम में स्किन की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि आप उसका अतिरिक्त ध्यान रखें। बारिश में भीगने से पैरों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे पैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिसे मानसून के मौसम में आप पैरों पर बेहद आसानी से अप्लाई कर सकते हैं-

मुल्तानी मिट्टी : मुल्तानी मिट्टी न सिर्फ स्किन को बेहतर बनाती है, बल्कि यह डेड स्किन सेल्स को भी आसानी से निकालती है। इसकी मदद से पैक बनाने के लिए मुल्तानी मिट्टी में नीम पाउडर और लैवेंडर का तेल मिक्स करके एक पेस्ट तैयार करें। अब आप इस पेस्ट को पैरों पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। अब आप पानी की मदद से पैरों को साफ करें और अंत में जैतून के तेल से पैरों की मसाज करें।

नींबू का रस : नींबू पैरों पर मौजूद सभी कीटाणुओं को खत्म करने में कारगर है, इसलिए बारिश के मौसम में इसका इस्तेमाल काफी अच्छा माना जाता है। अगर बारिश के कारण आपके पैरों में खुजली हो रही हैं तो आप नींबू के रस में सिरका और ग्लिसरीन मिलाएं और अपने पैरों पर लगाएं। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी।

हल्दी का पेस्ट : हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो आपके पैरों के लिए काफी अच्छा है। इसके इस्तेमाल के लिए आप हल्दी में सादा पानी या फिर गुलाबजल मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस पैक को पैरों पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। जब यह पैक सूख जाए तो आप हल्के गुनगुने पानी से पैरों को धोएं और उसे सुखाने के बाद मॉइश्चराइजर अप्लाई करें।

पुदीने का स्क्रब : बारिश के मौसम में पैरों को स्क्रब करना काफी अच्छा रहता है और इसके लिए आप मिंट बेस्ड क्रीम व स्क्रब का इस्तेमाल करें। दरअसल, पुदीने में एंटीसेप्टिक तत्व होते हैं और यह पैरों से आने वाली बदबू को भी दूर करता है। इसके लिए आप पानी में पुदीने की कुछ पत्तियां डालकर उबालें। जब पानी ठंडा हो जाए तो इसकी मदद से अपने पैरों को साफ करें। आपके पैरों से आने वाली किसी भी तरह की बदबू बेहद आसानी से दूर हो जाएगी। वैसे आप चाहें तो पेपरमिंट ऑयल का इस्तेमाल करके फुट स्क्रब भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मीठा छोड़ने से सिर्फ वजन ही नहीं होता कम

आज के समय में हर कोई अपनी फिगर को लेकर काफी कॉन्शियस रहता है। यही कारण है कि थोड़ा भी वजन बढ़ने पर लोग डाइटिंग करना शुरू कर देते हैं और इसमें सबसे पहले नंबर आता है मीठा छोड़ने का। अमूमन यह माना जाता है कि मीठा छोड़ने से वजन तेजी से घटता है। यह सच है लेकिन पूरी तरह नहीं। दरअसल, मीठा छोड़ने से आपके वजन पर तो असर पड़ता है ही, साथ ही इससे शरीर में अन्य भी कई बदलाव होते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

हेल्दी हार्ट : जब आप चीनी का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ता है, जो आपके तंत्रिका तंत्र को भी उत्तेजित करता है। ऐसे में आपका हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है। वहीं जब आप चीनी छोड़ते हैं तो एक सप्ताह में ही आपको अपना ब्लड प्रेशर स्थिर होता हुआ नजर आएगा। इतना ही नहीं, इससे आपका बैड कोलेस्ट्रॉल भी धीरे-धीरे कम होने लगेगा।

स्किन में बदलाव : चीनी से केवल वजन ही नहीं बढ़ता, बल्कि इसके कारण अन्य कई लाइफस्टाइल डिसऑर्डर भी होते हैं, जिसके कारण अक्सर लोगों को चेहरे पर मुंहासों की समस्या का सामना करना पड़ता है। एक अध्ययन से भी यह बात सामने आई है कि जो महिलाएं सोडा व अन्य चीनी युक्त पेय पदार्थ को छोड़ देती हैं, उनकी स्किन काफी अच्छी होती है और उन्हें महंगी क्रीम व कंसीलर का प्रयोग करने की जरूरत नहीं पड़ती।

मूड पर सकारात्मक प्रभाव: आपको शायद यह जानकर हैरानी हो लेकिन चीनी और आपके मूड का भी आपस में संबंध है। एक अध्ययन में यह पाया गया कि जो महिलाएं अपने आहार में आवश्यकता से अधिक मीठे का सेवन करती हैं, उन्हें बहुत अधिक मूड स्विंग्स होते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट से मीठे की मात्रा को कम करती हैं तो इससे धीरे-धीरे आपके मूड पर सकारात्मक प्रभाव नजर आने लगता है।

वजन कम होना : यह तो हम सभी जानते हैं कि मीठा छोड़ने से वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है। दरअसल, जब आप चीनी छोड़ देते हैं तो ग्लूकोज की अनुपस्थित कि कारण, शरीर वसा से ऊर्जा के लिए कीटोन बनाना शुरू कर देता है। इसे फैट बर्निंग मोड कहा जाता है। शुरूआती एक सप्ताह में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इसके बाद आपका वजन कम होना शुरू हो जाता है।

रानीखेत में है प्रकृति का अनुपम सौंदर्य

रानीखेत को पहाड़ों की रानी भी कहा जाता है। प्रकृति का अनुपम सौंदर्य रानीखेत के कण-कण में बिखरा पड़ा है। यहां पर दूर-दूर तक फैली घाटियां, घने जंगल तथा फूलों से ढंके रास्ते व ठंडी मस्त हवा पर्यटकों का मन बरबस ही मोह लेती है। रानीखेत की खास बात यह है कि यहां पर लोगों का कोलाहल व भीड़भाड़ बहुत कम है। यकीन जानिए यहां पहुंचने के बाद पर्यटक स्वयं को प्रकृति के निकट पाता है। अंग्रेजों के शासन के दौरान अंग्रेजी फौज की छावनी रहे इस क्षेत्र में कुंमाऊं रेजीमेंट का मुख्यालय भी है। छावनी क्षेत्र होने के कारण एक तो यहां वैसे ही साफ-सफाई रहती है दूसरे यहां पर प्रदूषण की मात्रा भी अन्य जगहों की अपेक्षा बहुत कम है। चलिए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं चौबटिया। चौबटिया में बहुत ही सुंदर बाग-बगीचे हैं। यहां पर स्थित सरकारी उद्यान व फल अनुसंधान केंद्र भी देखने योग्य हैं। यहां पर पास में ही एक जल प्रपात है, जिसके ऊंचाई से गिरते संगमरमर जैसे पानी का दृश्य आपका मन मोह लेगा। द्वाराहाट रानीखेत से लगभग 32 किमी की दूरी पर स्थित है। द्वाराहाट पुरातात्विक दृष्टि से भी अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कभी कत्यूरी वंश के शासकों की राजधानी रहे इस स्थल पर पूरे 65 मंदिर हैं जोकि तत्कालीन कला के बेजोड़ नमूने के रूप में विख्यात हैं। बदरीकेदार मंदिर, गूजरदेव का कलात्मक मंदिर, पाषाण मंदिर और बावड़ियां पर्यटकों को अपने अतीत की गाथा सुनाते हुए लगते हैं। यहां स्थित मंदिरों में से विमांडेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर एवं कुबेर की विशालकाय मूर्ति देखना न भूलें। रानीखेत से 6 किमी की दूरी पर स्थित है उपत एवं कालिका। यहां पर गोल्फ का विशाल मैदान है। हरी-हरी घास से भरे इस मैदान में गोल्फ खेलने का आनंद ही कुछ और है। कालिका में कालीदेवी का प्रसिद्ध मंदिर भी है। अब आप दूनागिरी जा सकते हैं। द्वाराहाट से लगभग 14 किमी की दूरी पर स्थित दूनागिरी से आप हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों के मनोहारी दर्शन कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यहां पर 1181 के शिलालेख भी पाए गए हैं। दूनागिरी में चोटी पर दुर्गा जी सहित अन्य कई मंदिर भी हैं जहां पर आसपास के लोग बड़ी संख्या में आते हैं। इस स्थान को पर्यटन के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ भी कहा जा सकता है। शीतलाखेत को आप पर्यटक गांव भी कह सकते हैं। यहां तक आने के लिए आप रानीखेत व अल्मोड़ा से सीधी बस सेवा का भी लाभ उठा सकते हैं। ऊंचाई पर शांत व खूबसूरत नजारों से भरे दृश्य पर्यटकों को भा जाते हैं। ट्रैकिंग की दृष्टि से भी यह अच्छा स्थल है। आप चिलियानौला भी घूमने जा सकते हैं। यहां पर हेड़ाखान बाबा का भव्य मंदिर है। कहते हैं कि इस आधुनिक मंदिर में देवी-देवताओं की कलात्मक मूर्तियां देखने लायक हैं। द्योलीखेत का मैदान तीन ओर से पर्वतों से घिरा हुआ है। इसके एक ओर देवदार तथा चीड़ के वृक्ष इस स्थल की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं। खड़ी बाजार रानीखेत का मुख्य बाजार है। एक ओर से उठे होने के कारण ही शायद इसका नाम खड़ी बाजार पड़ा। इस बाजार के दोनों ओर दुकानें हैं जहां से आप रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने वाले सामानों के साथ ही स्थानीय काष्ठकला की वस्तुएं भी खरीद सकते हैं। ट्रैकिंग में दिलचस्पी रखने वाले पर्यटकों के लिए रानीखेत के आसपास कई ऐसे स्थान हैं जहां पर ट्रैकिंग करके आप अपनी यात्रा को रोमांचक बनाने के साथ ही यादगार भी बना सकते हैं। आसपास के दर्शनीय स्थानों की सैर पर जाने के लिए आपको यहां से निर्धारित दरों पर टैक्सी मिल सकती हैं। यदि आप भारवाहकों की सेवा लेना चाहें तो दाम पहले ही तय कर लें। अप्रैल व जून तथा सितंबर से नवंबर के बीच आप जब भी चाहें, रानीखेत घूमने जा सकते हैं क्योंकि यह माह यहां की सैर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समय है। हां, रानीखेत आप जब भी जाएं, ऊनी कपड़े साथ रखना न भूलें।

एक्सआर सेंट्रल ने लता को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। (एसएनबी)। तकनीक की बदलती दुनिया ने बहुत सी असंभव लगने वाली बातों को संभव कर दिया है। असंभव को संभव कर देने जैसा प्लेटफॉर्म है एक्सआर सेंट्रल का मेटाक्यूब। मेटाक्यूब ने सुर साम्राज्ञी स्वर्गीय लता मंगेशकर को अनूठे तरीके से श्रद्धांजलि दी है। इसमें लोगों को लताजी के 80 साल के संगीत सफर का अनूठे ऑडियो-विजुअल तरीके से अनुभव करने का

विकल्प मिलेगा। अंशुल अग्रवाल और श्रेय मिश्रा द्वारा स्थापित एक्सआर सेंट्रल तेजी से मेटावर्स और वेब 3.0 की दुनिया में अपनी जगह बना रही है। इसकी मदद से लोगों को मेटावर्स का अनुभव मिलता है। मेटाक्यूब में यूजर्स को शानदार तरीके से क्रॉस डिवाइस एक्सपीरियंस मिलता है। इस मेटा ट्रिब्यूट में विजिटर्स को अलग-अलग अवतार चुनने और फर्स्ट पर्सन या थर्ड पर्सन व्यू में जाने के साथ खूबसूरत वर्चुअल सेटअप में दोस्तों व परिवार के लोगों से भी बात करने का मौका मिलता है। यहां ज्यूकबॉक्स की मदद से विजिटर्स लताजी के अलग-अलग गानों का आनंद ले सकेंगे।

एग फ्रीजिंग तकनीक

अधिक उम्र में मां बनने का सपना करे साकार

नई दिल्ली।

आजकल ऐसा देखा गया है कि महिलाएं कई कारणों से 30 वर्ष या कई बार 40 वर्ष की उम्र के बाद गर्भधारण करने का फैसला करती हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है, अब महिलाएं बड़ी उम्र में भी एग फ्रीजिंग तकनीक का सहारा लेकर स्वस्थ बच्चे को जन्म देने का सपना पूरा कर सकती हैं। आजकल कई ऐसी महिलाएं हैं जो करियर, सेहत या फिर परिवार से जुड़ी किसी समस्या के चलते बच्चा लेट पैदा करना चाहती हैं, उनके लिए यह तकनीक किसी वरदान से कम नहीं है। फर्टिलिटी मेडिकल फील्ड में आईवीएफ के बाद एग फ्रीजिंग तकनीक भी एक कारगर तकनीक बनकर अब तेजी से उभर रही है। तमाम जानी मानी हस्तियां जैसे तनीषा मुखर्जी, मोना सिंह, एकता कपूर, डायना हेडन हालीवुड एक्ट्रेस हलसेय, एमा राबर्ट्स आदि भी एग फ्रीजिंग करा चुकी हैं। आजकल ये चलन सामान्य परिवारों में भी तेजी से बढ़ रहा है। एग फ्रीजिंग तकनीक के बारे में **मैक्स हास्पिटल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. बबिता एस. अरोड़ा** ने विस्तार से बताया-

चिकित्सीय स्थितियां

कई ऐसे ट्रीटमेंट (रेडिएशन या कीमोथेरेपी) हैं जिनके बाद महिला की फर्टिलिटी प्रभावित होती है। कई ओवेरियन रोगों या सर्जरी की वजह से ओवरी पर प्रभाव पड़ता है, ऐसी स्थिति से जूझ रही महिलाएं ट्रीटमेंट शुरू करने से पहले अपने एग फ्रीज कर सकती हैं। यहां तक कि आजकल तो हेल्दी महिलाएं जो करियर या रिलेशनशिप की वजह से बाद में गर्भवती होना चाहती हैं वे भी एग फ्रीजिंग तकनीक का सहारा ले सकती हैं।

क्या है एग फ्रीजिंग तकनीक

एग फ्रीजिंग की प्रक्रिया में ओवरी से मैच्योर अंडों को निकालते हैं और लैब में ले जाकर इसे फ्रीज कर दिया जाता है। इसके बाद महिला जब भी मां बनने का फैसला लेती है तो इन अंडों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में फ्रीज किए हुए अंडो को शुक्राणु के साथ मिलाकर गर्भाशय में स्थानांतरित किया जाता है। फ्रीजिंग की इस प्रकिया में अंडों की जैविक गति को कुछ समय के लिए रोका जाता है, जिससे उस गति को बाद में इस्तेमाल किया जा सके।

जन्म दिया जा सकता है

■ अगर महिला को कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिससे उसकी प्रजनन क्षमता भविष्य में कमजोर हो सकती है, तो वह भविष्य में सुरक्षित गर्भधारण करने के लिए एग फ्रीजिंग का विकल्प अपना सकती है

अंडे फ्रीज करने की सही उम्र 20 साल से लेकर 30 साल है। दरअसल, इस उम्र में गर्भावस्था के दौरान काम्प्लीकेशंस सबसे कम होते हैं। ऐसे में इस उम्र में अपने अच्छे गुणवक्ता वाले अंडों को फ्रीज करके उनका इस्तेमाल बाद में करना लाभप्रद रहता है। डाक्टर आईवीएफ की तरह ही अंडे निकालने से पहले हार्मोन्स के इंजेक्शन देते हैं। महिला को एनेस्थीसिया देने के बाद इस प्रक्रिया को एक शार्ट नान-इन्वेसिव प्रोसीजर से किया जाता है। यह प्रक्रिया भी बिलकुल आईवीएफ की तरह ही होती है।

एग फ्रीजिंग का खर्च

आमतौर पर इसमें 2 तरह का खर्च होता है। इसमें भी आईवीएफ प्रोसीजर की तरह ही महिला के शरीर से अंडे को निकालने और फ्रीज करने के प्रोसीजर में खर्च जिसमें रु 50,000 से 1,00,000 तक हो सकता है। एग फ्रीज होने के बाद इन्हें फ्रोजन स्टेट में बनाए रखने की कास्ट वार्षिक है जो लगभग रु 15,000 से रु 30,000 तक होती है।

साइडइफेक्ट्स

इस प्रक्रिया के बाद किसी-किसी महिला में दर्द, सूजन, वजन बढ़ने की समस्या हो सकती है ऐसी स्थिति में महिला को अपने डाक्टर से संपर्क करना चाहिए। यह सभी लक्षण हाइपरस्टिमुलेशन सिंड्रोम के संकेत हो सकते हैं, लेकिन ऐसा बहुत ही कम देखने को मिलता है।

दीपिका मल्टी टैलेंटेड हैं : रणवीर

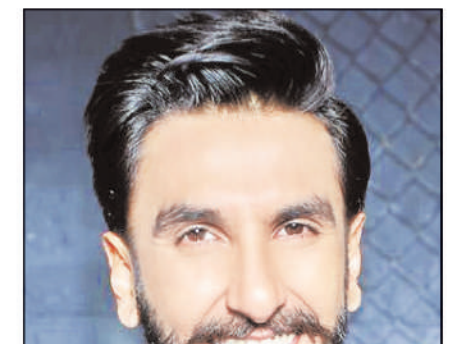

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण को मल्टी टैलेंटेड मानते हैं। रणवीर सिंह सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में रहते हैं। रणवीर अक्सर अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ मस्ती भरी तस्वीरें वीडियो फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। अब उन्होंने दीपिका की कुकिंग स्किल्स की जमकर तारीफ की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर सवाल जवाब सेशन का आयोजन किया था, जिसमें फैंस ने उनसे कई मजेदार सवाल किए। इस दौरान एक फैन ने सवाल करते हुए पूछा कि, क्या आपको दीपिका का बना खाना पसंद है? इसका जवाब देते हुए रणवीर सिंह ने दीपिका की कुकिंग स्किल्स की तारीफ करते हुए कहा, मैं उसको प्यार करता हूं, वो एक कुक हैं और वह मल्टी टैलेंटेड है।

'मिशन इम्पासिबल' का ट्रेलर रिलीज

हैदराबाद (आईएएनएस)। तेलुगु स्टार महेश बाबू ने मंगलवार को तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'मिशन इम्पासिबल' का ट्रेलर जारी किया। ट्रेलर में कई दिलचस्प पहलू दिखाए गए हैं। तीन साहसी और तेजतर्रार बच्चे अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम को पकड़ने की अपनी यात्रा शुरू करते हैं। इन परिस्थितियों में उन्हें कई चुनौतियों का का सामना करना पड़ता है। कामेडी 'मिशन इम्पासिबल' के ट्रेलर का अहम हिस्सा है। तीनों बच्चे अपना परिचय 'रघुपति, राघव और राजा राम' के रूप में देते हैं। तापसी, जिन्हें बच्चों के लिए मेंटर के रूप में माना जा सकता है, एक टाइटैनिक भूमिका में दिखाई देती हैं। कुछ दृश्यों में, उसे टूटे हाथ के साथ देखा जा सकता है, क्योंकि वह मामले में गहराई से शामिल हो जाती है। बेहतरीन ट्विस्ट के साथ, ट्रेलर दिलचस्प होने के साथ-साथ मनोरंजन भी करता है। मैटिनी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस फिल्म में तापसी पन्नू के अलावा हर्ष रोशन, भानु प्रकाशन, जयतीर्थ मोलुगु, सुहास, संदीप राज मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 1 अप्रैल को रिलीज होगी।

टाइगर की 'हीरोपंती 2' का नया पोस्टर जारी

मुंबई (आईएएनएस)। टाइगर श्राफ अभिनीत फिल्म 'हीरोपंती 2' के निर्माताओं ने बुधवार को फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया। यह फिल्म 2014 की रोमांटिक एक्शन फिल्म का सीक्वल है जिसमें टाइगर को कृति सेनन के साथ उनकी पहली भूमिका में देखा गया था। पोस्टर में टाइगर श्राफ के बबलू के किरदार को बंदूकों के साथ दिखाया गया है। उनका चरित्र ऐसी मुश्किल स्थिति में भी शांत और रचित लगता है। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म को प्रड्यूस किया है, जो इससे पहले टाइगर के साथ 'बागी 2' और 'बागी 3' जैसी हिट फिल्में दे चुके हैं। इस बार ब्लाकबस्टर के सीक्वल को बड़े बजट में बनाया गया है और टाइगर ने इसमें बहुत सारे एक्शन सीन किए हैं। इस फिल्म को रजत अरोड़ा ने लिखा है। फिल्म में ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान का संगीत है और यह 29 अप्रैल को ईद के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'द कश्मीर फाइल्स' टैक्स फ्री करने की मांग

पटना (आईएएनएस)। बिहार में भाजपा नेताओं ने बुधवार को मांग की कि बॉलीवुड फिल्म द कश्मीर फाइल्स को राज्य में कर से छूट दी जानी चाहिए। फिल्म 1990 के दशक की शुरुआत में जम्मू-कश्मीर से कश्मीरी पंडितों के पलायन पर आधारित है। बिहार विधानसभा में मांग पर जोर देते हुए दरभंगा से बीजेपी विधायक संजय सरावगी ने कहा कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात और कर्नाटक ने पहले ही उक्त फिल्म को टैक्स फ्री कर दिया है। भाजपा एमएलसी ने भी राज्य विधान परिषद में फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग की। उपमुख्यमंत्री तर किशोर प्रसाद ने शाम को बैठक के बाद फैसला लेने का आश्वासन दिया है। प्रसाद ने कहा, हम पटना में इस फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग की व्यवस्था कर रहे हैं, जहां सभी जनप्रतिनिधि इसे देखेंगे। प्रसाद ने आगे बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फिल्म की सराहना की है।

शक्ति कपूर ने 'सत्ते पे सत्ता' को याद किया

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड के लोकप्रिय और बहुमुखी अभिनेता शक्ति कपूर ने अमिताभ बच्चन के साथ अपने 'सत्ते पे सत्ता' में काम के अनुभव के बारे में बात की। फिल्म ने 40 साल पूरे कर लिए हैं, अभिनेता ने फिल्म से जुड़े कई किस्से शेयर किए। उन्होंने यह भी याद किया कि कैसे फिल्म के पूरा होने के बाद, मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने पूरी कास्ट को डिनर पर आमंत्रित किया था। शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक परिवार की तरह शूट की गई फिल्म थी और दर्शकों द्वारा एक परिवार की तरह देखी गई थी, जो ईमानदारी से एक बहुत अच्छा एहसास था। हमने कश्मीर में फिल्म की शूटिंग की और इतनी सारी यादें हैं कि अगर मैं बात करना शुरू कर दू इसके बारे में, मैं जल्द ही नहीं रुकूंगा। मैं 'सत्ते पे सत्ता' 200 बार देख सकता हूं और जब भी दुखी होता हूं तो देखता हूं। जब मैं अपने युवा दिनों को याद करना चाहता हूं तो मैं इसे देखता हूं। फिल्म में भाइयों के रूप में हमने जो रिश्ता साझा किया है वह कभी भी स्क्रीन पर नहीं देखा गया है। फिल्म की वास्तविकता, प्रदर्शन, एक अच्छी स्क्रिप्ट और एक टीम जो इस फिल्म को बनाने के लिए जुनूनी थी। उन्होंने आगे अपने चरित्र के बारे में जानकारी दी और साझा किया कि शुरू में उन्हें भाषण विकार वाले चरित्र को नहीं निभाना था। लेकिन उन्होंने निर्देशक को अपने आन-स्क्रीन व्यक्तित्व को और अधिक रोचक बनाने के लिए कुछ बदलाव जोड़ने के लिए मना लिया था। उन्होंने कहा कि शुरूआत में, मेरे चरित्र को एक भाषण विकार वाला व्यक्ति नहीं होना चाहिए था।

बच्चों में पाए जाने वाली सांस से जुड़ी बीमारी से है ओमीक्रोन संक्रमण का संबंध

■ **बोस्टन (अमेरिका) (भाषा)।**

सार्स-सीओवी-2 के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण का संबंध छोटे बच्चों में आम तौर पर पाई जाने वाली श्वसन संबंधी बीमारी से है, जिसे कंठशोथ या क्रूप कहा जाता है। यह सांस की नली से जुड़ा संक्रमण है जो सांस को रोकता है और जिसमें एक खास किस्म की सूखी खांसी होती है। हाल में पत्रिका 'पीडियाट्रिक्स' में प्रकाशित अध्ययन में उन 75 बच्चों का जिक्र किया गया है जो एक मार्च 2020 से 15 जनवरी 2022 तक क्रूप और कोविड-19 की समस्या के साथ बोस्टन चिल्ड्रंस हास्पिटल के आपात विभाग में आए।

अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि कुछ मामले बहुत गंभीर थे जिसमें अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता पड़ी और ऐसे बच्चों को अन्य वायरस से होने वाले क्रूप के इलाज में दी जाने वाली दवाओं की खुराक से अधिक खुराक देनी पड़ी। इनमें से 80 प्रतिशत मामले कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के मामले फैलने के दौरान सामने आए। अध्ययन के पहले लेखक 'बोस्टन चिल्ड्रंस हास्पिटल और बोस्टन मेडिकल सेंटर' के रयान ब्रूस्टर ने कहा, तस्वीर बहुत साफ है कि जब ओमीक्रोन के अधिक मामले आए, तो तभी क्रूप के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी।

क्रूप बीमारी तब होती है जब सर्दी और अन्य संक्रमण से वायस बाक्स, सांस की नली और श्वसन नली के आसपास सूजन हो जाती है। गंभीर मामलों में इससे सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। पशुओं पर पूर्व के कोविड-19 अध्ययनों से पता चलता कि अन्य स्वरूप के मुकाबले ओमीक्रोन स्वरूप ऊपरी वायु मार्ग में अधिक दिक्कत पैदा करता है। ब्रूस्टर ने कहा कि हो सकता है कि इसी वजह से ओमीक्रोन के मामले बढ़ने के दौरान क्रूप के अचानक मामले आने लगे हो। अध्ययन के अनुसार, कोविड-19 और क्रूप से पीड़ित ज्यादातर बच्चों की आयु दो साल तक थी और 72 प्रतिशत लड़के थे। अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि हालांकि किसी बच्चे की मौत नहीं हुई लेकिन 75 में नौ बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराना पड़ा।

■ सार्स-सीओवी-2 के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण का संबंध छोटे बच्चों में आम तौर पर पाई जाने वाली श्वसन संबंधी बीमारी से है, जिसे कंठशोथ या क्रूप कहा जाता है। यह सांस की नली से जुड़ा संक्रमण है जो सांस को रोकता है और जिसमें एक खास किस्म की सूखी खांसी होती है

एड में नजर आएगी गोविंदा-करिश्मा की जोड़ी

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता गोविंदा और अभिनेत्री करिश्मा कपूर की सुपरहिट जोड़ी एड शूट में नजर आएगी। गोविंदा और करिश्मा कपूर की जोड़ी 90 के दशक की सबसे पसंदीदा और सफल जोड़ियों में शुमार की जाती है। गोविंदा और करिश्मा कपूर ने साजन चले ससुराल, राजा बाबू, हसीना मान जाएगी, कुली नम्बर वन, हीरो नम्बर 1 समेत कई सुपरहिट फिल्मों में साथ में काम किया है। हाल ही में दोनों की जोड़ी इंडियाज गाट टैलेंट के मंच पर नजर आई थी। अब एक बार फिर से दोनों एक प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ में आए हैं। गोविंदा और करिश्मा एक एड शूट के लिए साथ में आए हैं। करिश्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक बार फिर से दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री फैंस को देखने को मिल रही है।

बद्रीनाथधाम में मौजूद है भगवान विष्णु की स्वयंभू मूर्ति, जानें कैसे पड़ा तीर्थस्थल का यह नाम

बद्रीनाथ मंदिर उत्तराखंड के चमोली जनपद में अलकनन्दा नदी के तट पर स्थित है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 7वीं-9वीं सदी में हुआ था। मंदिर के आस-पास बसे नगर को बद्रीनाथ ही कहा जाता है। यहां पर भगवान बद्रीनारायण की प्रतिमा स्थापित है।

हिंदू धर्म में चार धामों – बद्रीनाथ, जगन्नाथ, रामेश्वरम और द्वारिका का विशेष महत्व है। इन चारों धामों में बद्रीनाथ धाम को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। आज के इस लेख में हम आपको बद्रीनाथ धाम के बारे में बताने जा रहे हैं -

यहां स्थित है बद्रीनाथ– बद्रीनाथ मंदिर उत्तराखंड के चमोली जनपद में अलकनन्दा नदी के तट पर स्थित है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 7वीं-9वीं सदी में हुआ था। मंदिर के आस-पास बसे नगर को बद्रीनाथ ही कहा जाता है। यहां पर भगवान बद्रीनारायण की प्रतिमा स्थापित है। बद्रीनारायण, भगवान विष्णु के ही एक रूप हैं। बद्रीनारायण की यह मूर्ति 3.3 फीट लंबी शालिग्राम से निर्मित है। कहा जाता है कि इस प्रतिमा को आदि शंकराचार्य ने 8वीं शताब्दी में समीपस्थ नारद कुण्ड से निकालकर स्थापित किया था। इस मूर्ति को विष्णु भगवान की 8 स्वयंभू प्रतिमाओं में से एक माना जाता है।

बद्रीनाथ को अलग-अलग कालों में अलग-अलग नामों से जाना गया है। स्कन्दपुराण में बद्री क्षेत्र को मुक्तिप्रदा कहा गया है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि सत युग में यही इस क्षेत्र का नाम था। त्रेता युग में भगवान नारायण के इस क्षेत्र को योग सिद्ध कहा गया। द्वापर युग में भगवान के प्रत्यक्ष दर्शन के कारण इसे मणिभद्र आश्रम या विशाला तीर्थ कहा गया है। वहीं, कलियुग में इसे बद्रिकाश्रम अथवा बद्रीनाथ कहा जाता है।

ऐसे मिला बद्रीनाथ नाम– एक पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान विष्णु ने इस स्थान पर कठोर तप किया था। अपने गहन ध्यान के दौरान, वह मौसम की गंभीर स्थितियों से अनजान थे। उन्हें सूरज की चिलचिलाती गर्मी, धूप, बारिश और हिम से बचाने के लिए, उनकी पत्नी देवी लक्ष्मी ने बद्री के पेड़ रूप धारण किया और इस बात से भगवान विष्णु उनकी भक्ति से प्रसन्न हुए और इसलिए उन्होंने इस स्थान का नाम बद्रीनाथ रखा।

नर और नारायण की कहानी– बद्रीनाथ धाम धर्म के दो पुत्रों, नर और नारायण की कहानी से संबंधित है, जिन्होंने धर्मपत्नी हिमालय के बीच अपने धार्मिक आधार को स्थापित करने और अपने धार्मिक आधार का विस्तार करने की इच्छा की थी। किंवदंतियों के अनुसार, अपने धर्मोपदेश के लिए एक उपयुक्त स्थान खोजने के लिए वे पंच बद्री के चार स्थलों - ध्यान बद्री, योग बद्री, ब्रिधा बद्री और भावेश बद्री की खोज के लिए गए थे। अंत में वे एक जगह पर आए जो अलकनंदा नदी के पीछे दो आकर्षक ठंड और गर्म झरनों के साथ धन्य था। इस जगह को खोजने के लिए वे बेहद खुश थे और इस तरह उन्होंने इस स्थान का नाम बद्री विशाल रखा, यही से बद्रीनाथ अस्तित्व में आया।

सबसे अनूठी और भव्य होती है मथुरा और वृंदावन की होली

सनातन धर्म में होली का त्यौहार बेहद अहम स्थान रखता है। देश भर में इसकी धूम रहती है पर मथुरा और वृंदावन की होली सबसे अनूठी और भव्य मानी जाती है। श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा की होली को देखने देश भर से ही नहीं विदेशों से भी धर्मप्रेमी सैलानियों की भीड़ उमड़ती है। जहां देश के दूसरे हिस्सों में रंगों से होली खेली जाती है वहीं सिर्फ मथुरा एक ऐसी जगह है जहां रंगों के अलावा लड्डुओं और फूलों से भी होली खेलने का रिवाज है। इतना ही नहीं पूरे एक हफ्ते पहले यहां समारोह शुरू हो जाता है।

इसलिए मथुरा की होली होती है खास– ऐसा माना जाता है कि आज भी मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी निवास करते हैं इसलिए पूजा-पाठ से लेकर उत्सव भी ऐसे मनाए जाते हैं जैसे वो खुद इसका हिस्सा हैं। भगवान श्रीकृष्ण, हमेशा से ही राधा के गोरे और अपने सांवले रंग की शिकायत मां यशोदा से किया करते थे। तो राधा रानी को अपने जैसा बनाने के लिए वो उनपर अलग-अलग रंग डाल दिया करते थे। नंदगांव से कृष्ण और उनके मित्र बरसाना आते थे और राधा के साथ उनकी सखियों पर भी रंग फेंकते थे। जिसके बाद गांव की स्त्रियां लाठियों से उनकी पिटाई करती थी। तो राधा-कृष्ण की बाकी लीलाओं की तरह ये भी एक परंपरा बन गई जिसे यहां लट्ठमार होली के तौर पर आज भी निभाया जाता है।

बरसाना की लट्ठमार होली– वैसे तो पूरे शहर में ही होली की धूमधाम देखने को मिलती है लेकिन जिस होली की चर्चा पूरे देशभर में है उसे देखने के लिए आपको बरसाना, नंदगांव, ब्रज और वृंदावन आना पड़ेगा। बरसाना की लट्ठमार होली में नंदगांव से पुरुष आकर यहां की महिलाओं को चिढ़ाते हैं जिसके बाद महिलाएं उनकी लाठी-डंडों से पिटाई करती हैं। इस लड़ाई को देखने और इसमें शामिल होने का अपना अलग ही आनंद होता है। इसके बाद वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर आएं जहां रंगों और पानी के साथ होली खेलने की परंपरा है।

ऐसे बनाएं मथुरा और वृंदावन की होली को खास

बरसाना की लट्ठमार होली

नंदगांव की लट्ठमार होली

रंग भरनी एकादशी- बांके-बिहारी मंदिर, वृंदावन

विधवा होली– मथुरा के मैत्री आश्रम में रहती हैं विधवा महिलाएं। जहां विधवा महिलाएं भी जमकर खेलती हैं होली। जो एक बहुत ही अच्छा और सार्थक कदम है क्योंकि पहले हमारे देश के रीति-रिवाज इसके खिलाफ थे।

होलिका दहन– पूरे ब्रजमंडल में होलिका दहन होता है।

होली– ब्रजमंडल में खेलें पानी की होली, मथुरा, वृंदावन के सभी मंदिरों में होली की धूम देखने को मिलती है।

हुरंगा– दाऊजी मंदिर आकर देखें मशहूर हुरंगा होली की मस्ती।

रंग पंचमी- और रंग पंचमी के साथ होता है होली का समापन। जिसे आप यहां के मंदिरों में देख सकते हैं।

होली पर खुशहाली के लिए इस प्रकार धारण करें वस्त्र

होली के त्योहार को सुख, समृद्धि, सौहार्द और भाईचारे के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। वैदिक ज्योतिष में बताया गया है कि अगर आप राशि रंग के कपड़े पहनकर होली खेलें तो न सिर्फ आपका आनंद बढ़ जाएगा, बल्कि आपके घर में भी खुशहाली आएगी।

मेष राशि– आपका राशि स्वामी मंगल होने के कारण आपको होली पर लाल रंग का प्रयोग करना चाहिए और लाल रंग के कपड़े पहनकर होली खेलनी चाहिए। लाल रंग प्रेम और सच्चाई का प्रतीक माना जाता है। लाल रंग के साथ अपनों के बीच स्नेह भी बढ़ेगा और आपके घर में भी खुशहाली आएगी।

वृषभ राशि– वृषभ राशि का स्वामी शुक्र है। सफेद रंग को शुक्र से संबंधित माना जाता है। इसलिए होली के दिन आप सफेद रंग के कपड़े पहनकर बेंगनी और नारंगी रंग से होली खेलना आपके लिए शुभ होगा।

मिथुन राशि– आपकी राशि का स्वामी बुध होने के कारण आपके लिए हरा रंग शुभ माना जाता है। होली के दिन आप हरे रंग के कपड़े पहनकर होली खेलें। होली का हरा रंग न सिर्फ आपके रिश्तों में मिठास घोल देगा, बल्कि समाज में आपका मान भी बढ़ाएगा।

कर्क राशि– यह राशि जल तत्व का प्रतिनिधित्व करती है और इस राशि के स्वामी चंद्र हैं। अतः इस राशि के लोगों को सफेद रंग के कपड़े पहनकर होली खेलनी चाहिए। ऐसा करने से आपको मानसिक सुकून के साथ ही अपनों का प्यार भी मिलेगा। होली खेलने के लिए आपको नीले रंग का प्रयोग करना चाहिए।

सिंह राशि– सिंह राशि का स्वामी सूर्य को माना जाता है और यह अग्नि तत्व की राशि कहलाती है। इस राशि के लोग स्वभाव से काफी खुले दिल के और ऊजार्वान होते हैं। इनके लिए पीले रंग के कपड़े सही रहेंगे और इन्हें नारंगी रंग से होली खेलनी चाहिए।

कन्या राशि– इस राशि के स्वामी बुध हैं और यह पृथ्वी तत्व का प्रतिनिधित्व करती है। इनके लिए हरा और भूरा रंग होली खेलने के कपड़ों में प्रयोग करना श्रेष्ठ रहेगा। वहीं लाल और पीले रंग से आपको होली खेलनी चाहिए। ऐसा करने से आपको धन और यश की प्राप्ति होगी।

तुला राशि– तुला राशि का स्वामी शुक्र है और यह राशि वायु तत्व को दशार्ती है। इस राशि के लोगों को चटख रंगों की बजाए हल्के रंग के कपड़े पहनकर होली खेलनी चाहिए। इन रंगों में सफेद, गुलाबी और आसमानी सही रहेंगे। तुला राशि के जातकों को नीले और केसरिया रंग से होली खेलना शुभ होगा।

वृश्चिक राशि– वृश्चिक राशि के लोगों के राशि स्वामी मंगल माने जाते हैं। मंगल के स्वामित्व वाले जातकों के लिए लाल, नारंगी, केसरिया और पीले रंग शुभ माने जाते हैं। आप इनमें से कोई रंग चुन सकते हैं अपने कपड़ों के लिए और किसी एक रंग से आप होली भी खेल सकते हैं। ऐसा करने से आपके राशि स्वामी प्रसन्न होंगे और आपकी ग्रह दशा दूर होगी।

धनु राशि– धनु राशि के स्वामी गुरु हैं और इन्हें अग्नि तत्व का देवता कहा जाता है। इस कारण इस राशि के जातकों के लिए लाल और पीला रंग सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। आप इन्हीं 2 रंगों के कपड़े पहनकर होली खेल सकते हैं। पीला रंग देवताओं को प्रिय होने के कारण होली पर उनका भी आशीर्वाद प्राप्त होगा। अपनों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने के लिए आप इन्हीं 2 रंगों से होली भी खेल सकते हैं।

मकर राशि– इस राशि के स्वामी शनि हैं और यह पृथ्वी तत्व की राशि है। वैसे तो मकर राशि के जातकों को होली खेलना ज्यादा पसंद नहीं आता लेकिन होली खेलने से इनके कई दोष दूर होते हैं। इन्हें होली पर नीले या फिर काले रंग के कपड़े पहनकर होली खेलनी चाहिए। इन रंगों के प्रभाव से आपको अपने कर्मों में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। आपकी राशि के लिए लाल, भूरा और बेंगनी रंग भी उत्तम है।

कुंभ राशि– इस राशि के स्वामी भी शनि हैं और यह राशि वायु तत्व को प्रतिनिधित्व करती है। शनि की कृपा बनाए रखने के लिए आपको भी बैंगनी, काले और नीले रंग के कपड़े पहनकर होली खेलनी चाहिए। इन रंगों का शुभ प्रभाव जीवन में आपको सफलता दिलाता है। होली के अवसर पर आपको हल्के रंगों की बजाए गाढ़े रंग से होली खेलनी चाहिए।

मीन राशि– मीन राशि का स्वामी गुरु हैं, अतः आपको पीले रंग का प्रयोग करना चाहिए। होली पर इस बार पीले रंग के कपड़े पहनकर रंग खेलें। होली की शुरूआत आप भगवान शिव पर पीला रंग चढ़ाकर करें तो यह आपके जीवन को खुशियों से भर देगी। आप हरे और गुलाबी रंग का भी प्रयोग कर सकते हैं।

होली में इस प्रकार आप लगेंगी खास

होली आ गयी है ऐसे में आप भी रंग खेलने की तैयारियों में लगी होंगी। रंगों के इस त्योहार के दिन हर कोई खास दिखना चाहता है। इसलिए कपड़ों का सही चयन भी बेहद जरूरी है। अब आती है पहनावे की बात। आप सामान्य लुक से भी इसकी शुरूआत कर सकती हैं। ट्राउजर्स लेगिंग और जींस के साथ सिंपल कुर्ता पहन कर आप सादा और मन को भाने वाला लुक पा सकती हैं। अगर आप पारंपरिक लुक चाहती हैं तो आप जंपसूट के साथ जैकेट पहन सकती हैं। इसे अलावा घुटनों तक की प्रिंटेट स्कर्ट के साथ टी-शर्ट का मेल भी आपको एक अलग लुक दे सकता है। अगर आपको भड़कीले रंगों से परहेज है तो आप के पास एक बेहतर विकल्प है कि आप हल्के रंग के कपड़ों के साथ उन्हीं के रंग का स्कार्फ या स्टॉल भी ले सकती हैं। होली खेलते समय आप पानी के संपर्क में रहते हैं। इस दौरान जरूरी है कि आप अपने फुटवेयर पर भी ध्यान दें। इन मौकों पर हील्स पहनना खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप रंग खेलते समय ऐसी चप्पल पहनें जिससे ना फिसलने का डर हो ना फिसल कर गिरने का। इस दौरान आपको अपने बालों का भी ध्यान रखना चाहिए। जरूरी है कि आप अपने बालों को अच्छी तरह से बांध के रखें। आप अपने बालों का जूड़ा बांध सकती हैं या पोनीटेल बना सकती हैं जिससे आप आराम से होली खेल सकें। पाकृतिक लुक के साथ होली खेलना ज्यादा अच्छा रहता है। आप आइलाइनर और मस्कारा आखों के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके अलावा होठों को रुखेपन से बचाने के लिए लिपबाम का प्रयोग भी कर सकती हैं।

गर्भवती महिलाएं होली में रखें अपना खास ख्याल

होली के रंग किसी के लिए भी खतरनाक हो सकते हैं क्योंकि बाजार में बिकने वाले ज्यादातर रंगों में खतरनाक रसायन मिले होते हैं। इसके साथ ही इस अवसर पर मिलने वाली ज्यादातर मिठाइयों में भी मिलावट होती है। यूं तो रसायनिक रंग और मिलावटी मिठाइयां किसी के लिए भी खतरनाक हो सकती हैं पर गर्भवती महिलाओं को खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। ये चीजें गर्भवती महिला और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे, दोनों ही के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। डॉक्टरों के अनुसार गर्भावस्था में महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है जिससे बीमार पड़ने और संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। उनके अनुसार, गर्भावस्था में रसायनयुक्त रंग विपरीत प्रभाव डाल सकते हैं। इनसे तंत्रिका तंत्र, किडनी और अन्य अंगों को नुकसान पहुंच सकता है। इसके साथ ही उसे समयपूर्व प्रसव, बच्चे के विकास से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं कई बार तो ये रंग और मिठाइयां गर्भपात का कारण भी बन सकते हैं। होली पर रंग खेलना है तो खेलें पर उसके लिए प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करना ही सबसे अच्छा होता है। इसके साथ ही ज्यादा मिठाइयां और काबोर्नेटेड पेय पदार्थ के सेवन से शरीर में शुगर का लेवल बढ़ जाता है जिससे मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में घर पर ही मिठाइयां बनाए और सीमित मात्रा में उनका सेवन करें।

इंग्लैंड की पहली जीत

महिला विश्व कप 2022: भारतीय महिला टीम को चार विकेट से हराया

भारतीय बल्लेबाजी रही विफल, सात बल्लेबाज नहीं छू पाए दहाई का आंकड़ा

माउंट मॉन्गानुई (एजेंसी)। ऑफ स्पिनर चार्ली डीन (4-23) की घातक गेंदबाजी और हेदर नाइट (नाबाद 53) की कप्तानी पारी से गत चैंपियन इंग्लैंड ने महिला विश्व कप 2022 में भारत को चार विकेट से हराकर चार मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की जबकि भारत को दूसरी हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने 36.2 ओवरों के भीतर भारत को 134 रनों पर समेटने के बाद इंग्लैंड ने 31.2 ओवर में छह विकेट पर 136 रन बनाकर अपनी पहली जीत हासिल की। भारत को चार मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह तालिका में तीसरे स्थान पर है।

इंग्लैंड चार मैचों में अपने पहले दो अंकों के साथ छठे स्थान पर आ गया है। इससे पहले महिला वनडे विश्वकप 2017 में फाइनल में इंग्लैंड ने भारत को ही हराकर खिताब अपने नाम किया था। भारत और इंग्लैंड के बीच विश्वकप में कुल 12 मैच हुए हैं। इनमें से भारत सिर्फ चार मैच जीत पाया है, जबकि इंग्लैंड ने आठ मैच अपने नाम किए। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही और 134 रन पर ही सिमट गई। स्मृति मंधाना ने भारत की ओर से सर्वाधिक 35 रन बनाए। वहीं, ऋचा घोष ने 33 रन की पारी खेली। सात भारतीय बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इसमें यास्तिका भाटिया (8), कप्तान मिताली राज (एक), दीप्ति शर्मा (0), स्नेह राणा (0), पूजा वस्त्राकर (6), मेघना सिंह (3) और राजेश्वरी गायकवाड़ (नाबाद एक) शामिल हैं। इसके अलावा पिछले मैच में शतक लगाने वालीं उपकप्तान हरमनप्रीत कौर 14 रन बनाकर आउट हुईं। झूलन गोस्वामी ने 20 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से स्पिनर शार्लोट डीन ने सबसे ज्यादा चार विकेट चटकाए। वहीं, आन्या श्रबसोल को दो विकेट मिले। सोफी एक्लस्टोन और केट क्रॉस को एक-एक विकेट मिला।

इंग्लैंड के लिए नाइट ने खेली कप्तानी पारी

135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत भी खराब रही। चार रन पर टीम ने दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान हीदर नाइट ने नताली सीवर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी निभाई। दोनों ने मैच को पलट दिया। नताली अर्धशतक से चूक गईं। वह 46 गेंदों पर 45 रन बनाकर आउट हुईं। हीदर नाइट ने कप्तानी पारी खेलते हुए अर्धशतक जड़ा और अपनी टीम को जीत दिलाई। इसके बाद एमी एलेन जोन्स 10 रन, सोफिया डंक्ले 17 रन और कैथरीन ब्रन्ट शून्य पर आउट हुईं।

भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदें अभी भी बरकरार

भारतीय टीम की सेमी में पहुंचने की उम्मीदें अभी बरकरार हैं। भारत को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए बचे हुए तीन में से दो मैच जीतने होंगे। साथ ही नेट रनरेट भी काफी अच्छा करना होगा। भारत के बचे हुए तीन मैच ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हैं।

नाइट ने जड़ा अर्धशतक, कम स्कोरिंग मैच में नताली के साथ मैच विजयी साझेदारी ने दिलाई इंग्लैंड को जीत

इंग्लैंड की श्रुबसोल के वनडे में 100 विकेट पूरे

तेज गेंदबाज अन्या श्रुबसोल 100 वनडे विकेट लेने वालीं इंग्लैंड की छठीं गेंदबाज बन गईं। श्रुबसोल ने बे ओवल में भारत के खिलाफ 2022 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इसी के साथ वह कैथरीन ब्रंट (133 पारियों में 164 विकेट) के नेतृत्व वाले कुलीन क्लब में शामिल हुईं। श्रुबसोल ने यास्तिका भाटिया का विकेट लेकर 82वें मैच में अपना 100 वनडे विकेट पूरा किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय कप्तान मिताली राज का विकेट लेकर इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज ईसा गुहा (81 मैचों में 101 वनडे विकेट) के आंकड़े की बराबरी की। उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड की ओर से सर्वाधिक वनडे विकेट लेने के मामले में जेनी गुन (136 विकेट), लौरा मार्श (129 विकेट) और क्लेयर टेलर (102 विकेट) क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

स्कोर बोर्ड

भारत महिला पारी	रन	गेंद	4/6
स्मृति मंधाना पगबाधा एकलस्टन	35	58	4/0
यास्तिका भाटिया बो. श्रबसोल	08	11	1/0
मिताली कै. डंकली बो. श्रबसोल	01	05	0/0
दीप्ति शर्मा रन आउट	00	10	0/0
हरमनप्रीत कौर कै. जोंस बो. डीन	14	26	2/0
स्नेह राणा कै. जोंस बो. डीन	00	02	0/0
ऋचा घोष रन आउट	33	56	5/0
पूजा पगबाधा डीन	06	09	0/0
झूलन कै. वायट बो. क्रॉस	20	26	2/1
मेघना सिंह बो. डीन	03	12	0/0
राजेश्वरी गायकवाड़ नाबाद	01	03	0/0

अतिरिक्त: 13, **कुल:** 36.2 ओवर में 134 रन पर ऑल आउट **विकेट पतन:** 1-18, 2-25, 3-28, 4-61, 5-61, 6-71, 7-86, 8-123, 9-129, 10-134 **गेंदबाजी:** कैथरीन ब्रंट 4-0-18-0, श्रबसोल 6-1-20-2, नताली सीवर 4-0-16-0, एकलस्टन 9-1-27-1, डीन 8.2-1-23-4, क्रॉस 3-0-23-1, हेदर नाइट 2-0-4-0,

इंग्लैंड महिला पारी	रन	गेंद	4/6
टैमी बोमॉन्ट पगबाधा झूलन	01	10	0/0
डैनी वायट कै. राणा बो. मेघना	01	03	0/0
हेदर नाइट नाबाद	53	72	8/0
नैतली सीवर कै. झूलन बो. पूजा	45	46	8/0
जोंस कै. हरमनप्रीत बो. राजेश्वरी	10	28	0/1
सोफिया डंकली कै. घोष बो. मेघना	17	21	4/0
कैथरीन ब्रंट कै. घोष बो. मेघना	00	02	0/0
सोफी नाबाद	05	06	1/0

अतिरिक्त: 4 **कुल:** 31.2 ओवर में छह विकेट पर 136 रन **विकेट पतन:** 1-3, 2-4, 3-69, 4-102, 5-128, 6-128, **गेंदबाजी:** झूलन गोस्वामी 7-1-21-1, मेघना 7.2-3-26-3, राजेश्वरी 7-1-35-1, पूजा वस्त्राकर 5-0-22-1, स्नेह राणा 3-0-19-0, दीप्ति शर्मा 2-0-13-0,

मैच के दौरान चोटिल हुई हरमनप्रीत कौर

भारतीय बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर इंग्लैंड के खिलाफ 14 रन बनाकर आउट हुई। लेकिन फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गईं। तभी इंग्लैंड की बल्लेबाज सोफी एक्लेस्टोन ने मिड-ऑन की तरफ शॉट खेलकर तेजी से रन लेने की कोशिश की। गेंद रोकने के प्रयास में उपकप्तान हरमनप्रीत कौर को घुटना जमीन में फंस गया। वह दर्द से कराह उठीं। इसके बाद भारतीय टीम की फिजियो मैदान पर आईं और उनका ट्रिटमेंट किया। इसका कुछ खास असर नहीं हुआ। हरमनप्रीत को मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनकी चोट पर अभी तक टीम की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन देखने से चोट गंभीर लग रही थी।

250 वनडे विकेट लेने वाली पहली महिला बनीं झूलन

भारत की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 250 विकेट लेने वाली पहली महिला बनीं। गोस्वामी ने बे ओवल में चल रहे आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। 39 वर्षीया गोस्वामी ने 2002 में एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण किया। वह अपनी 198 वीं पारी में मील के पत्थर तक पहुंची। गत 12 मार्च को, गोस्वामी महिला एकदिवसीय विश्व कप में सर्वकालिक सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई थीं।उन्होंने 34 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा जो ऑस्ट्रेलिया की लिनेट फुलस्टन (39 विकेट) के पास था। गोस्वामी के अब महिला वनडे विश्व कप में 32 पारियों में 41 विकेट हैं। झूलन ने अपने अब तक के करियर में 12 टेस्ट, 199 वनडे और 68 टी-20 मैच खेले हैं। टेस्ट में 44, वनडे में 250 और टी-20 में झूलन के नाम अब तक 56 विकेट हैं।

वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली पांच गेंदबाज

गेंदबाज	विकेट
झूलन गोस्वामी (भारत)	250
कैथरीन फिट्ज़पैट्रिक (इंग्लैंड)	180
अनीसा मोहम्मद (वेस्टइंडीज)	180
शबनीम इस्माइल (दक्षिण अफ्रीका)	168
कैथरीन ब्रंट (इंग्लैंड)	164

आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर चार पर पहुंचे बुमराह

विराट कोहली पांचवें से सीधे नौवें स्थान पर खिसके

दुबई। अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को बुधवार को जारी आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच दूसरे पिंक बॉल टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी कर कुल आठ विकेट लेने की बदौलत बुमराह गेंदबाजों की सूची में शाहीन अफरीदी (पाकिस्तान), काइल जैमिसन (न्यूजीलैंड), टिम साउदी (न्यूजीलैंड), जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड), नील वैगनर (दक्षिण अफ्रीका) और जोश हेजलवुड (ऑस्ट्रेलिया) को पछाड़ते हुए छह स्थानों की छलांग लगाकर 830 रेटिंग अंकों के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस, अनुभवी भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा हालांकि क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। वहीं मोहम्मद शमी एक स्थान के फायदे के साथ हमवतन रवींद्र जडेजा से ऊपर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि जडेजा 18वें स्थान पर खिसक गए हैं।

ऋषभ पंत टॉप-10 में शामिल

बल्लेबाजी रैंकिंग पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली पांचवें से सीधे नौवें स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि उनके हमवतन ऋषभ पंत टॉप -10 में आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन पहले, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ तीसरे और न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन चौथे स्थान पर बरकरार हैं। इस बीच भारत के इनफॉर्म बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे पिंक बॉल टेस्ट मैच में क्रमशः 92 और 67 की मैच विजयी पारी खेलने के बाद बड़ी छलांग लगाई।

जेसन होल्डर बने नंबर वन ऑलराउंडर

वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर टेस्ट क्रिकेट रैंकिंग में ऑलराउंडरों की सूची में एक बार फिर से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। कुछ दिन पहले ही इस स्थान पर रवींद्र जडेजा थे, जिन्होंने मोहाली टेस्ट में 175 रनों की पारी खेली थी और नौ विकेट लिए थे। होल्डर ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट में बढ़िया प्रदर्शन किया था। उन्होंने उस दौरान तीन विकेट लिए थे और 45 और 37 रनों की पारी खेली थी। एंटीगा में खेला गया वह टेस्ट ड्रॉ रहा था। होल्डर के 393 और जडेजा के 385 अंक हैं। अश्विन, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और इंग्लैंड के बेन स्टोक्स इस सूची में क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर बरकरार हैं।

21 साल के खिताब सूखे को खत्म करने के इरादे से उतरेंगे सिंधु, लक्ष्य और श्रीकांत

नई दिल्ली। शानदार फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत बुधवार से यहां शुरू हो रही ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में भारत के खिताब के 21 साल के सूखे को खत्म करने के इरादे से उतरेंगे। सिंधु, साइना नेहवाल और श्रीकांत जैसे भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप का खिताब जीतने में नाकाम रहे हैं। पुलेला गोपीचंद (2001) और प्रकाश पादुकोण (1980) ही भारत के लिए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीत पाए हैं। साइना 2015 में फाइनल में पहुंचकर खिताब जीतने के करीब पहुंची थी जबकि ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों जैसी अन्य सभी बड़ी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने में सफल रही सिंधु भी ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप नहीं जीत पाई हैं। छठी सीड सिंधु एक बार फिर जीत की दावेदार के रूप में उतरेंगी जबकि 20 साल के लक्ष्य ने इस सुपर 1000 टूर्नामेंट से पहले लगातार अच्छा प्रदर्शन करके उम्मीद जगाई है। अल्मोड़ा के इस खिलाड़ी को पहले दौर में हमवतन सौरभ वर्मा से भिड़ना है। जर्मनी ओपन के दूसरे दौर में कम रैंकिंग वाली चीन की झेंग यी मेन के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली सिंधु अपना अभियान चीन की दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी वैंग झी यी के खिलाफ शुरू करेंगी। विश्व चैंपियनशिप 2019 की स्वर्ण पदक विजेता सिंधु को पहले दो दौर के मुकाबले जीतने पर क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से भिड़ना पड़ सकता है।

हार्दिक को आईपीएल 2022 में खेलने की हरी झंडी मिली

गुजरात के कप्तान यो-यो टेस्ट में पास

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 के शुरू होने से पहले गुजरात टाइटंस के लिए अच्छी खबर आयी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या यो-यो टेस्ट में पास हाने के साथ ही आईपीएल के 15वें सीजन में खेलने के लिए तैयार हैं।

हार्दिक का यो-यो टेस्ट टेस्ट इसलिए अहम माना जा रहा था क्योंकि बीसीसीआई ने पहले ही साफ कर दिया था हार्दिक को फिनटेस टेस्ट पास करने के बाद ही आईपीएल 2022 में खेलने की अनुमति दी जाएगी। हार्दिक पिछले कुछ समय से गेंदबाजी भी नहीं कर रहे हैं और इसलिए उनके फिटनेस पर सवालिया निशान खड़े हो रहे थे। लेकिन अब स्टार ऑलराउंडर ने फिटनेस टेस्ट पास करके सभी आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक फिटनेस टेस्ट देने के लिए नेशनल क्रिकेट अकेडमी (एनसीए) गए थे, जहां उन्हें उनकी फिटनेस का टेस्ट लेने के लिए उन्हें 10 ओवर गेंदबाजी करने का टारगेट दिया था और अब उन्होंने यो-यो टेस्ट पास कर लिया है। बीसीसीआई आईपीएल से पहले अपने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की फिटनेस की जांच कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार एक खिलाड़ी जिसने अपनी वर्तमान फिटनेस से निराश किया वह पृथ्वी शॉ है। वह यो-यो परीक्षण में नाकाम रहे।

टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट में बीएमसीसी की खिताबी जीत

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के आरएनटीयू स्पोर्ट्स क्लब द्वारा मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित ऑल इंडिया ओपन टैगोर टी- 10 क्रिकेट टूर्नामेंट 2022 में फाइनल मैच खेला गया। मध्य प्रदेश में पहली बार टैगोर टी- 10 क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल आयोजन हुआ। खिताबी मुकाबला एसपीएल गुरुग्राम, हरियाणा और बीएमसीसी भोपाल के मध्य खेला गया। एसपीएल गुरुग्राम हरियाणा के बल्लेबाज लक्ष्य कुंद्रा के 15 गेंद पर 41 रन की मदद से 10 ओवर में आठ विकेट पर 121 रन बनाए। बीएमसीसी के गेंदबाज सलमान ने 2 ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे बीएमसीसी के बल्लेबाज अरबाज कुरेशी के 20 गेंद पर 38 रन, मंजूर अली के 12 गेंद पर 27 रन की मदद से 10 ओवर में 5 विकेट पर 123 रन बनाकर टैगोर टी- 10 का खिताबी मुकाबला अपने नाम किया। एसपीएल गुरुग्राम हरियाणा के गेंदबाज कमल सिंह बैरवा ने 2 ओवर में 27 रन देकर दो विकेट लिया। बीएमसीसी ने खिताबी मुकाबला 5 विकेट से जीता। बीएमसीसी के सलमान को दोहरे प्रदर्शन के लिए मैन आफद मैच दिया गया। बीएमसीसी भोपाल को अतिथियों द्वारा विजेता बनने पर 2 लाख का चेक और विनर ट्रॉफी से नवाजा गया। इस मौके पर आरएनटीयू के सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान ने दूसरा टेस्ट कराया ड्रॉ

बाबर व रिजवान की जय व वीरू की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी फेरा

कराची। कप्तान बाबर आजम (196) और मोहम्मद रिजवान (नाबाद 104) के शानदार शतकों से पाकिस्तान ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच को पांचवें और अंतिम दिन बुधवार को ड्रॉ करा लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को जीत के लिए 505 रन का विशाल लक्ष्य दिया था। पाकिस्तान ने अंतिम दिन दो विकेट पर 192 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसे जीत के लिए 314 रन चाहिए थे। आजम ने 425 गेंदों में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से 196 रन की शानदार पारी खेली और रिजवान के साथ पांचवें विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की। ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने बाबर को 392 के स्कोर पर आउट कर ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत की उम्मीद जगाई लेकिन रिजवान ने 177 गेंदों में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 104 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और मैच ड्रॉ करा दिया। इससे पहले अब्दुल्लाह शफीक ने 71 और बाबर ने 102 रन से आगे खेलना शुरू किया था। शफीक 96 रन बनाकर पेट कमिंस की गेंद पर आउट हुए। पाकिस्तान ने मैच ड्रा होने तक सात विकेट खोकर 443 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से नाथन लियोन ने 112 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए जबकि कमिंस ने 75 रन पर दो विकेट लिए।

टेस्ट मैच की चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने वाले दुनिया के पहले कप्तान बने बाबर आजम

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोहरे शतक चूक गए। बाबर इसी के साथ टेस्ट मैच की चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने वाले दुनिया के पहले कप्तान बन गए हैं। इससे पहले, किसी एक टेस्ट मैच की चौथी इनिंग में बतौर कप्तान सर्वाधिक स्कोर बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के माइकल अर्थटन के नाम था, जोकि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1995 में नाबाद 185 रन बनाए थे। हालांकि बाबर अब इन सबसे आगे निकल चुके हैं। बाबर साथ ही चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने वाले पाकिस्तान के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में यूनिस खान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

मिताली और झूलन ने स्वीकार किया, शीर्ष क्रम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया

माउंट मोनगानुई। भारतीय कप्तान मिताली राज और सीनियर तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने बुधवार को कहा कि शीर्ष क्रम की बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में वे जल्द ही अपने प्रदर्शन में सुधार करेंगी। गत चैंपियन इंग्लैंड ने बुधवार को भारत को सिर्फ 134 रन पर समेट दिया और फिर 31.2 ओवर में चार विकेट शेष रहते जीत दर्ज की। लीग चरण में लगातार तीन मैच गंवाकर अभियान शुरू करने वाले इंग्लैंड की यह पहली जीत है। मिताली ने मैच के बाद कहा, निश्चित तौर पर शीर्ष क्रम में हम साझेदारी नहीं कर पाए, हम पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे। हमने 200 से अधिक रन बनाने के बारे में सोचा था और अगर ऐसा होता तो कोई भी टीम इस मैच को जीत सकती थी। आस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले मुकाबले के संदर्भ में उन्होंने कहा, प्रत्येक मैच में क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में हम अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि हम इसे जारी रखेंगे। बल्लेबाजी चिंता की बात है लेकिन अगले मैच में हम इसका हल निकालने की कोशिश करेंगे, हमें ऐसी टीम के खिलाफ खेलना है जो अभी तक किसी से नहीं हारी है। झूलन भी मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मिताली से सहमत दिखीं। झूलन ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो हां इस समय हमारा शीर्ष क्रम उस तरह प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है जैसा हमने उम्मीद की थी लेकिन मुझे यकीन है कि हमें इसे लेकर सकारात्मक रहना होगा क्योंकि अतीत में उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, हम जिस तरह सोच रहे थे उन्होंने उस तरह बल्लेबाजी नहीं की लेकिन मुझे उम्मीद है कि वे अगले मैच में बेहतर प्रदर्शन करेंगी। हर के बावजूद भारत आठ टीमों की अंक तालिका में चार अंक के साथ तीसरे स्थान पर बरकरार है। भारत ने चार मैच में से दो जीते हैं जबकि दो में उसे हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड चार मैच में दो अंक के साथ छठे स्थान पर है। झूलन ने कहा, यह सबसे बड़ा मंच है, सभी अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और टीम के लिए योगदान देना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि अगले मैच में वे मजबूत वापसी करेंगी। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 250वां विकेट हासिल करने के संदर्भ में झूलन ने कहा, जब मैंने शुरूआत की थी तो इस बारे में कभी नहीं सोचा था। मैं सिर्फ मैदान पर उतरकर प्रदर्शन करना चाहती हूं। भारत अपने अगले मैच में आकलैंड में 19 मार्च को अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे आस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

मैनचेस्टर यूनाईटेड चैंपियन्स लीग से बाहर

एटलेटिको मैड्रिड ने एग्रीगेट में 2-1 हराया

मैनचेस्टर। एटलेटिको मैड्रिड ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को राउंड -16 के मुकाबले में एग्रीगेट में 2-1 की हराकर चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया हैं।

दूसरे लेग के मुकाबले में एटलेटिको ने 1-0 से जीत दर्ज की। नॉकआउट राउंड में दोनों टीमें एक दूसरे से अपने-अपने होम ग्राउंड पर दो मैच खेलती हैं। पहले लेग में स्कोर 1-1 से बराबर रहा था। वहीं, दूसरे लेग में स्कोर 1-0 से एटलेटिको के पक्ष में रहा। इस लिहाज से दोनों लेग को मिलाकर एटलेटिको मैड्रिड ने 2-1 से जीत दर्ज की। मैनचेस्टर यूनाईटेड की टीम लगातार पांचवें सत्र में कोई खिताब अपने नाम नहीं कर सकीं। मैच में एटलेटिको के लिए 41वें मिनट में एकमात्र गोल एंटोनी ग्रिजमैन के क्रॉस पर रेनान लोडी ने हेडर से किया। एलेटिको मैड्रिड ने इस जीत के चैंपियंस लीग के इतिहास में नॉकआउट स्टेज में इस टूर्नामेंट को जीतने वाली तीन इंग्लिश विनर्स क्लब को हराने वाली पहली टीम बन गई है।

करीम बेंजेमा के दो गोल से जीता रियाल मैड्रिड

रियल मैड्रिड ने ला लिगा लीग के एक अहम मुकाबले में मैलोर्का को 3-0 से हराकर अंक तालिका में अपनी बढ़त कायम रखी। मैच में करीम बेंजेमा ने दो और विनिसियय जूनियर ने एक गोल मैड्रिड को दूसरे स्थान पर चल रही सेविला से 10 अंकों से आगे कर दिया। इससे पहले पीएसजी के खिलाफ मुकाबले में करीब बेंजेमा ने हैट्रिक की थी और टीम को चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश दिलाया था। सभी टूर्नामेंटों में मिलाकर पिछले पांच मैचों में बेंजेमा आठ गोल कर चुके हैं। स्पेनिश लीग में उनके 22 गोल हो चुके हैं। टीम ने ला लीगा में लगातार चौथा मैच जीता है। विनिसियस जूनियर ने 55वें मिनट में टीम का खाता खोला। उसके बाद करीम ने 77वें मिनट में पेनॉल्टी भुनाई और 82वें मिनट में मार्सेलो के क्रास पर हेडर से अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल किया।

टेनिस में स्वर्ण पदक विजेता अंजलि वर्मा का कांग्रेसजनों ने किया सम्मान

भोपाल। चंडीगढ़ में 09 से 14 मार्च तक आयोजित अखिल भारतीय सिविल सेवा प्रतियोगिता लान टेनिस में महिला एकल, महिला युगल और मिश्रित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी अंजली वर्मा का बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेसजनों से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर एक सादे सम्मान समारोह में पूर्व मंत्री एवं विधायक पीसी शर्मा, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रकाश जैन, महामंत्री राजीव सिंह, जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश मिश्रा एवं प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल ने अंजलि वर्मा का सम्मान किया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता जितेन्द्र मिश्रा, जिला शहर कांग्रेस भोपाल के कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

भारी मात्रा में अवैध कच्ची शराब बरामद, 5 अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ। पुलिस अधीक्षक सुशील घुले के निर्देशन में अवैध शराब करोबार/कारोबारियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन नारायण त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी नगर धनंजय मिश्रा के कुशल पर्यवेक्षण में गुरूवार को

चार भट्ठियां व 10 कुंतल लहन भी किया नष्ट

थाना सरायलखंसी की पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर बनदेवी रोड पिपरी में रामध्यान यादव के ईंट भट्ठे पर भारी मात्रा में अवैध शराब बनाने की सूचना पर करीब 11 बजे दिन में ईट भट्ठे पर दबिश के दौरान मौके से अवैध कच्ची शराब का कई भट्टियां बनाकर निर्माण करते समय 05 लोगों क्रमशः सचिन यादव पुत्र राम ध्यान यादव निवासी पहाड़पुर थाना सरायलखंसी मऊ, सुनील लोहरा पुत्र मतलू लो हरा निवासी विराट गढ़ईचा थाना घाघरा जनपद गुमला झारखंड, विजयन देवी पत्नी भईया राम निवासी ततेर दाद थाना घाघरा जनपद गुमला झारखंड, लक्ष्मी कुमारी पुत्री राजेंद्र लोहरा निवासी मुर्गू चैली डोली थाना सिसई जनपद गुमला झारखंड, मन दुलारी पुत्र बंचू निवासी कैलगा निवासी कैलगा जनपद गुमला झारखंड को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से तत्काल निर्मित करीब 65 लीटर अवैध देशी कच्ची शराब, भारी मात्रा में नौसादर, यूरिया, फिटकरी, नमक बरामद किया गया और मौके पर अवैध देशी शराब बनाने हेतु रखे गए करीब 10 कुंतल लहन भी नष्ट किया गया।

पंखे से युवक ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

चिरैयाकोट, मऊ। नगर के दरियापट्टी वार्ड के निवासी अभिषेक सिंह उर्फ झब्बू पुत्र इन्द्र बहादुर सिंह उम्र लगभग 32 वर्ष ने बुधवार की रात को पंखे से लटक कर फांसी लगा लिया। जिसकी जानकारी परिजनों को गुरुवार को सुबह लगभग 8 बजे हुई जब वह देर तक सोकर नहीं उठा तो परिजन दरवाजा तोड़कर कमरे के अंदर गये तो देखे कि वह चादर से फांसी का फंदा बनाकर पंखे से लटक कर आत्महत्या कर लिया है। देखकर उसके चाचा जितेन्द्र सिंह व अन्य परिजन अवाक रह गये। वहीं युवक के आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल सका है। बताया जाता है कि युवक के पिता इन्द्र बहादुर सिंह कानपुर में शिक्षक हैं और मृतक की मां भी उन्ही के साथ वहीं रहती है। एक सप्ताह पहले मृतक की पत्नी भी अपने 6 वर्षीय पुत्र को लेकर अपने सास-ससुर के यहां कानपुर चली गयी थी। युवक माँ शारदा स्टूडियो के नाम से दुकान चलाता था।

पुलिस मुठभेड़ में तीन लुटेरे गिरफ्तार, एक को लगी गोली

आजमगढ़। बरदह थाने की पुलिस ने बुधवार की रात तीन लुटेरों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। स दौरान एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर भागने की कोशिश की और जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया। कड़े गए बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने लूट की मोटरसाइकिल, एंड्रायड मोबाइल, तीन तमंचा व कारतूस बरामद किया। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सिंह भादो मोड़ के पास वाहनों की चेकिग कर रहे थे। एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों को रुकने का इशारा किया, तो पीछे मुड़कर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने दो को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए रोशन लाल निवासी मानिकपुर सिधौना व रितिक कुमार निवासी सिधौना के पास से क्षेत्र से लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद व दो तमंचा बरामद हुआ। तीसरे बदमाश की तलाश में पुलिस जुटी थी कि सूचना मिली कि वह बर्रा तिराहे पर एक मकान में छिपा है।

एक शातिर जालसाज गिरफ्तार

मऊ। थाना कोतवाली में गुरूवार को वादी पंकज कुमार सिंह व अन्य लोगों द्वारा प्रतिवादी शिवा पुत्र सूर्या निवासी विजयवाड़ा आन्ध्र प्रदेश को, वादी के चारपहिया वाहन के पास स्वयं के नोट फेंककर, वादी को उसके रुपये गिरने का झांसा देते हुये वाहन में रखे बैग को लेकर भागते समय पकड़ कर थाना स्थानीय को सुपुर्द किया गया। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 117/22 धारा 420,379,411 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा गुरूवार को देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना पर आजमगढ़ मोड़ के पास से मु0अ0सं 116/22 धारा 376,506 भादवि में वांछित अभियुक्त राहुल राजभर पुत्र चन्द्रमोहन निवासी देवपरवा मुंशीपुरा थाना कोतवाली मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया। साथ ही साथ थाना सरायलखंसी पुलिस द्वारा बढुआ गोदाम के पास से मु0अ0सं0 119/22 धारा 376,452,504, 506 भादवि में वांछित अभियुक्त राकेश यादव पुत्र लालबहादुर निवासी हथिनी थाना सरायलखंसी मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

शौच करने गया युवक सर्पदंश से अचेत

बलरामपुर (आजमगढ़)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के केशवपुर गांव में बुधवार की रात शौच करने गए चंद्रिका यादव (17) पुत्र रामसमुझ सर्पदंश से अचेत पड़े रहे। काफी देर बाद घर नहीं लौटे तो स्वजन ने किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए खोजबीन शुरू की तो देखा कि खेत में अचेत पड़े थे।

होली : दोपहर बाद चढ़ने लगी होली की खुमारी

आजमगढ़। फागुन की पूर्णिमा को छोटकी होली के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन घर के जिम्मेदार अगर त्योहार की तैयारी को अंतिम रूप देते हैं तो युवा और बच्चों के सिर पर होली की मस्ती सिर चढ़कर बोलती है। जाहिर है कि अगर छोटकी होली है तो रंग-गुलाल की शुरूआत तो होनी ही है। गुरुवार को ही हर तरफ रंगों की बौछार शुरू हो गई तो कुछ ने अबीर-गुलाल लगाकर काम चलाया। बच्चे और नौजवान सड़क पर रंगों के साथ निकल पड़े और आपस में एक-दूसरे के चेहरे पर रंग लगाने के बाद जब होली की मस्ती चढ़ी तो फिर किसी को नहीं छोड़ा। वहीं कई स्थानों पर युवाओं ने ढोल ताशा के साथ झूमते हुए होली की मस्ती की। कई स्थानों पर राहगीरों को भी रोक लिया और उनके न चाहते हुए भी चेहरे पर अबीर लगाया। युवकों के झुंड के आगे हर कोई बेबस नजर आया। घर से निकलना लोगों की मजबूरी थी, लेकिन होली की मस्ती में डूबे लोगों ने इस बात का ख्याल नहीं किया कि जबरन चेहरे पर रंग लगाने पर किसी के दिल पर क्या गुजरेगी।

लाटघाट पुल की टूटी रेलिग दे रही दुर्घटना को दावत

रौनापार (आजमगढ़)। दोहरीघाट से आजमगढ़ मुख्य मार्ग पर लाटघाट बाजार के दक्षिणी भाग में पचास के दशक में पुल का निर्माण कराया गया था। कभी इसी पुल के नीचे से होकर छोटी सरयू प्रवाहित होती रही है। पिछले एक दशक से पुल तो जर्जर हो ही गया है, इस पर बनी रेलिग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन विभाग की नजर कभी इस पर नहीं जाती।

दोहरीघाट-आजमगढ़ के पास स्थित लाटघाट पुलिया से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। आजमगढ़ और बनारस से नेपाल को जोड़ने वाला यह मार्ग कभी खाली नहीं रहता। पिछले छह महीने के अंदर पुल की रेलिग तीन बार टूट चुकी है। विभाग निर्माण के नाम पर कोरम पूर्ति कर देता है। मामूली धक्का लगने पर बनाई गई रेलिग टूट जाती। इस पुल पर पिछले दिनों कई दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। इसके बाद भी प्रशासन नहीं जागा। वर्तमान समय में पुल की रेलिग दोनों तरफ से टूट गई है। किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। घोसी चीनी मिल के डायरेक्टर रामाश्रय राय और समाजवादी पार्टी के सगड़ी प्रभारी शिव सागर यादव ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से तत्काल पुल की रेलिग बनवाने की मांग की है।

सर्वोत्तम डेंटल केयर ने संकल्प कोचिंग के छात्रों का किया नि:शुल्क दंत परीक्षण

रतनपुरा, मऊ। सर्वोत्तम डेंटल केयर के सौजन्य से निःशुल्क दांत का परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे सैकड़ो छात्रों का दंत परीक्षण व साथ ही माउथवॉश भी वितरण किया गया। बता दें कि स्थानीय पुलिस चैकी के बगल में स्थित संकल्प कोचिंग सेंटर के 425 विद्यार्थियों का बुधवार के दिन कोचिंग के मैनेजर शशिकांत गुप्ता के अगुवाई में डेंटल सर्जन राघवेंद्र कुमार चैधरी ने दातों का फ्री चेकअप किया व साथ ही दवा और माउथ वॉश का निःशुल्क वितरण भी किया ससर्वोत्तम डेंटल केयर के डेंटल सर्जन ने कहा की इस शिविर के माध्यम से बच्चों में दातों के प्रति बेहतर साफ सफाई व नियमित देखभाल के लिए जागरूक बनाया जाना है,जिससे की उन्हें भविष्य में दांत संबंधी कोई भी गंभीर समस्याओं का सामना ना करना पड़े। सर्जन ने कहा की स्वस्थ शरीर के साथ साथ स्वस्थ दांतों का होना बेहद जरूरी है। इस मौके पर डा. अफजाल अंसारी, डा. नीरज यादव व फार्मासिस्ट अजय पाण्डेय जी मौजूद रहे।

डाकिया के माध्यम से आधार में मोबाइल नंबर कराएं अपडेट

आजमगढ़। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आइपीपीबी) ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के रजिस्ट्रार के रूप में आधार में मोबाइल नंबर अपडेट करने की सेवा शुरू की है। एक निवासी आधार धारक अपने घर के दरवाजे पर डाकिया के माध्यम से आधार में अपना मोबाइल नंबर अपडेट करवा सकता है। यह सेवा 650 आइपीपीबी शाखाओं और 1,46000 डाकियों और ग्रामीण डाक सेवकों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध होगी, जो स्मार्ट फोन और बायोमेट्रिक उपकरणों से लैस बैंकिंग सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करने में सक्षम हैं।

विश्व गौरैया दिवस: वीवंडर फाउंडेशन टीम की कोशिशें लाई रंग, घर-आंगन में फिर चहकी गौरैया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चीं-चीं, चूं-चूं करती चिड़िया, फुर्र-फुर्र उड़ जाती चिड़िया, फुदक-फुदक कर गाना गाती, रोज सवेरे हमें जगाती हम सबने बचपन में यह कविता कंठस्थ की होगी। नतीजा यह कि आंगन से चिड़ियों की चहचहाहट ही गायब हो गई थी लेकिन वीवंडर फाउंडेशन के पिछले 4 साल के प्रयास से गौरैया फिर से घर -आँगन को वापस आने लगी है।रोज सवेरे गूंजने वाली गौरैया की चहचहाट को वापस लाने के लिए कोशिशें शुरू हुईं और लोगों का समर्थन मिला। शहर में कृत्रिम घोंसले लगाए गए। लोग छतों और चहारदीवारी पर दाना-पानी रखने लगे। कोशिशें रंग लाईं और रूठी गौरैया वापस लौटने लगी। अब जरूरत इस बात की है कि इन कोशिशों को जारी रखा जाए। इसीलिए हर वर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है।वीवंडर फाउंडेशन टीम का यही कहना है कि कंक्रीट में बदलते शहरों में गौरैया के प्राकृतिक वासस्थल खत्म होते जा रहे हैं। न अब आंगन रहे और न ही रोशनदान। हरियाली भी सिमटती जा रही है। ऐसे में कृत्रिम घोंसले लगाकर गौरैया को आसरा देने की मुहिम बीते कई सालों से की जा रही है। इसका परिणाम भी काफी अच्छा रहा है। इन घोंसलों को चिड़िया ने अपना आशियाना बना लिया है। अब जरूरत इस बात की है कि अब देश के अलग अलग जगहों पे गौरैया पार्क विकसित किए जाएं जिससे गौरैया संरक्षण किया जा सके।गौरैया ही एक ऐसी चिड़िया है जो घरों में परिवारजनों के साथ रहती है। हमारे नजदीक तक आती है, अंडे देती है और परिवार बढ़ाती है। यह किसी को नुकसान नहीं पहुंचाती और यही वजह है कि इसका कलरव घर में खुशियां लाता है।गौरैया संरक्षण की दिशा में बच्चों का रुझान बहुत ही सराहनीय रहा है।लेकिन अब समय आ गया है कि बच्चे ही नही अब सभी आयुवर्ग के लोगों को आगे आना होगा और गौरैया को बचाने के लिए तेजी से कार्य करना होगा।बढ़ता प्रदूषण, आवास में कमी, पेड़ों की घटती संख्या और सब्जी पर अनाज में कीटनाशकों का इस्तेमाल गौरैया की संख्या के कमी के बड़े कारण हैं। वीवंडर फाउंडेशन द्वारा गौरैया संरक्षण के क्षेत्र मे की गई पहल- उसे समाज में एक सार्थक रूप दे। वीवंडर फाउंडेशन संस्था की नींव इस सोच के साथ शुरू की थी कि अपने व्यस्ततम निजी जिंदगी में से मात्र एक घंटे का समय निकाल कर समाज के कुछ समस्याओं का उद्धार करने प्रयास कर सकेंगे, संस्था का

वीवंडर फाउंडेशन की नींव 14 दिसंबर 2017 को रखी थी। जैसा कि नाम वीवंडर, जिसका अर्थ घुमक्कड़ होता है, घुमक्कड़ों की टीम जो अलग- अलग जगह घूम-घूम कर कुछ एक स्तर तक समस्याओं के निदान पर विचार कर कोई भी सदस्य कही भी रहे कभी भी समाज के लिए एक घण्टे का समय निकाल सके। हालांकि संस्था उस सोच को लेकर आज परस्पर 4 वर्षों से आगे बढ़ रही है, संस्था के सभी सम्मानित सदस्यों ने अब इस सोच को देशब्यापी बनाने का प्रयास कर रहे हैं। संस्था का उद्देश्य वातावरण में पक्षियों और उनके आवास का संरक्षण करना है। पक्षी संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता निरपेक्ष है, हम समानता पर विश्वास करते हैं, और संस्था का ऐसा मानना है कि पक्षी और उनके आवासों का संरक्षण मानव सहित अन्य सभी प्रजातियों को किसी ना किसी रूप में लाभ ही पहुंचाता है पर्यावरण को सुशोभित करते हैं।

पिछले 4 वर्षों से हम गौरैया संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं। हमने लगभग 200 से अलग-अलग स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्नकिया है, और लकड़ी से बने लगभग 18000 से अधिक पक्षियों के घोंसले वितरित किया हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में हमने विभिन्न स्थानों पर 23000 से अधिक पौधारोपण किया है।संस्था को गौरैया संरक्षण के लिए राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2019 और विभिन्न संगठन से 12 अन्य पुरस्कारों से भी नवाजा गया है।लॉकडाउन के दौरान वीवंडर फाउंडेशन ने ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया।संस्था ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से घोसले बनाने का प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण के दौरान करीब हजारों लोग जुड़े।कोरोना लॉकडाउन की वजह से सारे स्कूल और कॉलेज बंद होने की वजह से संस्था ने जीवा नामक पत्रिका निकाला जिसके माध्यम से गौरैया पक्षी बचाओ अभियान किया जा सके। यह पत्रिका ऑनलाइन और सोशल मीडिया के माध्यम से लगभग 20 लाख लोगों तक पहुंचाई गई।दूरदर्शन द्वारा गौरैया बचाओ अभियान पर एक डॉक्यूमेंट्री भी सूट की गई` गोपाल कुमार चेयरमैन वीवंडर फाउंडेशन ने कहा एक ही निवेदन है कि आप घर में या घर के आस पास एक घोसला जरूर रखें और एक पौधों भी लगाए, और अपने साथ साथ बाकी के अपने साथियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें, ऐसा कर पर्यवारण संरक्षण के मुहिम में अपनी सहभगिता दर्ज करें।

संक्षिप्त खबरें

आपसी भाईचारे का प्रतीक है होली का पर्व- सुबोध चंद यादव

प्रखर सन्तकबीरनगर। होली को रंगों के त्योहार के रूप में जाना जाता है। यह भारत में सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। प्रत्येक वर्ष मार्च के महीने में हिंदू धर्म के अनुयायियों द्वारा उत्साह और उत्साह के साथ होली मनाई जाती है। जो लोग इस त्योहार को मनाते हैं, वे हर साल रंगों के साथ खेलने के लिए उत्सुकता से इंतजार करते है। उक्त बातें आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सुबोध चंद्र यादव ने कही। उन्होंने कहा कि होली,यानी सभी बुराई को भुलाकर प्यार की ओर बढ़ना है।कलुषित भावनाओं का होलिका दहन कर नेह की ज्योति जलाने और सभी को एक रंग में रंगकर बंधुत्व को बढ़ाने वाला यह त्योहार आज देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पूरे जोश के साथ जोरों-शोरों से मनाया जाता है।भले विदेशों में मनाई जाने वाली होली का मौसम के हिसाब से समय और मनाने के तरीके अलग-अलग हो पर संदेश सभी का एक ही है - 'प्रेम और भाईचारा।' होली शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व है। प्रकृति के पांवों में पायल की छमछम बसंत के बाद इस समय पतझड़ के कारण साख से पत्ते टूटकर दूर हो रहे होते हैं। ऐसे में परस्पर एकता, लगाव और मैत्री को एक साथ एक सूत्र में बांधने का संदेशवाहक यह त्योहार वातावरण को महुए की गंध की मादकता, पलाश और आम की मंजरियों की महक से चमत्कृत कर देता है।

त्यौहार के दृष्टिगत उप जिलाधिकारी ने किया शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण

प्रखर लालगंज (मीरजापुर)। होली के पर्व के मद्देनजर उप जिलाधिका री विजयनारायन सिंह एवं पुलिस उपाधीक्षक उमाशंकर सिंह व आबकारी बिभाग से रोशनलाल ने गुरुवार को शराब की आधा दर्जन से अधिक लाइसेंसी दुकानों का औचक निरीक्षण किया। उप जिलाधिका री ने दुकान संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। एसडीएम विजय नारायन सिंह ने लालगंज कस्बा स्थित विजयपुर रोड पर अंग्रेजी व देशी शराब तथा वियर की दुकानों पर छापेमारी की। टीम ने सबसे पहले यहां के शराब के ठेके पर छापा मारा। यहां पर टीम ने दस्तावेज देखने के साथ ही स्टाक भी चेक किया। उन्होंने स्टाक अपडेट न होने पर नाराजगी जताई। इसके बाद टीम ने बरौंधा स्थित महुअट की देशी व अंग्रेजी शराब दुकान का निरीक्षण किया। यहां पर अंग्रेजी शराब की दुकान में एक हजार 71 का स्टाक मौके पर मेल नही खाया जिस पर नाराजगी जाहिर किया। एसडीएम ने इसके अलावा ड्रमंडगंज व रतेह चौराहा की सभी दुकानों का निरीक्षण किया। एसडीएम ने कहा कि अवैध शराब की बिक्री नहीं होनी चाहिए। सेल्समैन शराब खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि किसी प्रकार की डुप्लीकेसी न हो।निरीक्षण के समय मिले खामियों को दुरुस्त करने का सेल्समैनो को चेतावनी दिया। टीम में सीओ उमा शंकर सिंह, आबकारी निरीक्षक रोशन लाल मय पुलिस आदि रहे।

सुसुआड़ नाले के रपटा पर अनियंत्रित होकर गिरे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

प्रखर मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के हलिया लालगंज मार्ग के बसुहरा गांव स्थित सुसुआड़ नाले के क्षतिग्रस्त रपटा पर गुरुवार शाम साढ़े चार बजे के करीब बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर गिर पड़ा जिससे बाइक सवार युवक को गंभीर चोटें आई हैं। थाना क्षेत्र के बसकुड़िया गांव निवासी आशीष कोल 18 व सनोज 13 पुत्र गामा कोल क्षेत्र के मझियार गांव किसी काम से बाइक से गये हुए थे घर वापस लौटते समय जैसे ही सुसुआड़ नाले के क्षतिग्रस्त रपटा पर पहुंचे कि अनियंत्रित होकर गिर पड़े हेलमेट नही लगाने से बाइक चालक आशीष के सिर तथा चेहरे के आसपास गंभीर चोटें आई हैं। वहीं पीछे बैठे किशोर को मामूली चोटें आई। रास्ते से गुजर रहे स्थानीय लोगों ने आटो से दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हलिया पहुंचाया जहां गंभीर रूप से घायल आशीष कोल को प्राथमिक उपचार के बाद मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया।

असलहे के नोक पर बदमाशों ने की 25000 की लूट

प्रखर लालगंज (मीरजापुर)। थाना क्षेत्र के डांगरकेरी नई बस्ती निवासी रामचंद्र पुत्र बुद्धू बैंक से 25 हजार लेकर घर जा रहे थे बदमाशो ने असलहे के नोक पर 25 हजार रुपये की छीन लिए और किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।इस संबध में भुक्तभोगी ने गुरुवार को थाने में जाकर दुबारा एक नामजद दो अज्ञात के नाम तहरीर दिया है। डांगरकेरी के नई बस्ती निवासी रामचंद्र 11 मार्च को लालगंज स्थित बैंक से पचीस हजार निकाल कर अपने घर जा रहे थे।बैंक से दो किलोमीटर आगे छिछलहा मंदिर के पास पहुंचे थे कि तीन की संख्या में मिले बदमाशो ने असलहे के नोक पर पचीस हजार छीन लिए और किसी से बताने पर गोली मार देने की धमकी दिए। भुक्तभोगी ने इस संबध में उसी दिन थाने में पहुंचकर तहरीर दिया लेकिन कोई कर्रवाई नही हुई। परेशान होकर भुक्तभोगी रामचंद्र ने दुबारा थाने पर पहुंचे और प्रभारी निरीक्षक से मिलकर दो अज्ञात सहित एक को नामित कर प्रार्थना-पत्र दिया है। प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की छान बीन की जा रही है।

ड्यूटी से लौट रहे होमगार्ड की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत

प्रखर मीरजापुर। आज्ञात वाहन की चपेट में आने से घर लौट रहे होमगार्ड की मौत हो गई एक्सीडेंट की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पड़री पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। पड़री थाना क्षेत्र के इमिलिया चेंदुली गाँव निवासी होमगार्ड हरिनारायण पुत्र रामखेलावन उम्र करीब 40 वर्ष शहर कोतवाली में तैनात थे जहां बुधवार की देर रात अपने मोटरसाइकिल द्वारा भरपुरा से अपने घर जाते समय भरपुरा हाईवे पर किसी अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई । एक्सीडेंट की सूचना पाकर मौके पर थाना पड़री पुलिस द्वारा पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की गयी। मौत की सूचना पर मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

चार किलोमीटर के सफर में धूल से पट जाता है चेहरा

सरायमीर (आजमगढ़)। आरोप-प्रत्यारोप और दावों के बीच विधानसभा चुनाव तो संपन्न हो गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की दशा जस की तस बनी हैं। सरायमीर से राजापुर सिकरौर तक चार किलोमीटर के सफर में चौदह करम हो जाते हैं। चेहरा धूल से पट जाता है। आंखों पर चश्मा चढ़ा है तो उसे गाड़ी रोककर साफ करना पड़ता है।

उद्योग अकादमी की बैठक सुरक्षित और टिकाऊ खाद्य पैकेजिंग के लिए भावी रोड मैप

प्रखर पूर्वान्चल नई दिल्ली । वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत भारतीय पैकेजिंग संस्थान ने 16 मार्च, 2022 को इरोस होटल, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में सुरक्षित और सतत खाद्य पैकेजिंग के लिए भविष्य के रोड मैप पर एक दिवसीय उद्योग अकादमी बैठक का आयोजन किया, जिसमें उद्यमियों और पेशेवरों ने भाग लिया। पैकेजिंग उद्योग की श्री अरुण सिंघल, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी - एफएसएसएआई, भारत सरकार मुख्य अतिथि थे। डॉ. एस एन झा, उप महानिदेशक, कृषि अभियांत्रिकी, भाकृअनुप विशिष्ट अतिथि थे। इसमें श्री सुनील जैन, उपाध्यक्ष- आईआईपी, श्री सुबोध गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष- आईआईपी, श्री राकेश शाह, पूर्व अध्यक्ष- आईआईपी भी उपस्थित थे।

भारतीय पैकेजिंग संस्थान की ओर से डॉ. तनवीर आलम, निदेशक- आईआईपी, डॉ. माधब चक्रवर्ती, संयुक्त निदेशक- आईआईपी उपस्थित थे।डॉ. तनवीर आलम, निदेशक - आईआईपी ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, उन्होंने पैकेजिंग के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि यह न केवल उत्पाद को पैक करता है बल्कि उत्पाद में ब्रांड और मूल्य भी जोड़ता है।स्वागत भाषण के बाद मुख्य अतिथि और अन्य महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्जवलित किया गया। मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को आईआईपी के डॉ तनवीर आलम ने सुविधा प्रदान की।

श्री अरुण सिंघल, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एफएसएसएआई, भारत सरकार ने पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग के विकास और उपयोग पर जोर दिया और उद्योग द्वारा पालतू जानवरों के पुनर्चक्रण पर जोर दिया। इस बीच, डॉ. एस एन झा, डीडीजी, कृषि इंजीनियरिंग, आईसीएआर ने पैकेजिंग के क्षेत्र में नवीनतम विकास और प्रौद्योगिकियों के बारे में कम जागरूकता स्तर के बारे में बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि इस तरह की अधिक बातचीत और सेमिनार आयोजित करें ताकि उद्योग के लोगों को नवीनतम विकास के बारे में पता चल सके। मीट में 4 तकनीकी सत्रों के बाद रिसर्च कॉन्क्लेव शामिल था जिसमें उद्योग की प्रमुख हस्तियों द्वारा विषय से संबंधित ज्ञान प्रदान किया गया था। इस मीट को उद्योग जगत के लोगों ने खूब सराहा और स्वागत किया।

होलिका दहन के साथ शुरू हुआ रंगों का त्योहार होली

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को सैकड़ो होलिका के जलने के साथ रंगों का त्योहार होली का शुभारंभ हो गया। ग्रामीण क्षेत्र के फूलपुर, पिंडरा, मंगारी, कुआर, कठिराव, थानारामपुर, सिंधोरा समेत अनेक बाजार व गांवो में चहल पहल दिखी। वही शराब के दुकानों पर शराब खरीदने के लिए लोग लाइन में दिखे। क्षेत्र में रंगों व पिचकारी की रंगबिरंगी दुकाने सजी दिखी। जिससे बाजार में चहल पहल रही। वही प्रत्येक बाजारो में तैनात पुलिसकर्मी के साथ इंस्पेक्टर फूलपुर भी गश्त करते रहे। इंस्पेक्टर फूलपुर ने बताया कि क्षेत्र में पुलिस रिकार्ड के मुताबिक 82 होलिका दहन हुई। मंगारी व टेटुवा (दारापुर) में होलिका को लेकर कुछ विवाद था। दूर कर लिया गया।

नगदी समेत लाखों के आभूषण को चोरो ने किया पार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के अजईपुर गांव में बीती रात राजेंद्र पांडेय के घर मे घुसे चोरो ने तीन लाख का रुपये के आभूषण व 25 हजार नगद चोर चुरा ले गए। बताते हैं कि राजेंद्र पांडेय के मकान से सटा तीन मकान है। पहले मकान की ऊंचाई कम है। पहले मकान की छत पर चढ़कर चोर राजेंद्र पांडेय के मकान की छत तक पहुंच गए। चूंकि सीढ़ी का दरवाजा अंदर से बंद था, दरवाजा तोड़कर सीढ़ी के रास्ते दूसरे तल पर पहुंचकर कमरे में रखे एक आलमारी को लोहे की रॉड से चाड कर उसमें रखा गया ढाई तोले की चेन, सोने की झुमका , अंगूठी व दूसरी आलमारी से भी सोने का झुमका, करधनी, सोने की चूड़ी व पायल चुरा ले गए। जाते जाते आलमारी में रखे 25 हजार 500 नकद भी उठा ले गए। सुबह घर की औरतें जब कमरे में गई तो चोरी का आभास हुआ। जिसकी सूचना तत्काल परिवार वालों को दी गई । घर के महिलाएं नीचे मंजिल पर सोई थी। चोरी की सूचना पर बनारस सिगरा में रह रहे गृहस्वामी फूलपुर पुलिस को लिखित सूचना दी। मौके पर पहुची पुलिस जांच पड़ताल कर वापस लौट गई। थानाध्यक्ष मुन्ना राम ने बताया कि चोरी की रपट दर्ज कर ली गई है ।

स्कूटी चोर गिरफ्तार पुलिस ने भेजा जेल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान इमिलिया चट्टी अदलहाट नहर मार्ग पर स्थित इंडेन गैस के पास से स्कूटी चोर आर्यन सिंह पुत्र प्रमोद कुमार सिंह निवासी ग्राम रानीपुर थाना चुनार जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया इस संबंध में इमलिया चट्टी पुलिस ने बताया की इमिलिया चट्टी पौनी नहर मार्ग पर स्थित इण्डेन गैस एजेन्सी के पास संदिग्ध वस्तुओ एवं व्यक्तियो तथा वाहनो की चेकिंग की जा रहा थी इसी बीच मुखबीर से सूचना मिली की एक व्यक्ति चोरी की स्कूटी लेकर पौनी की तरफ से सोनवर्षा नहर की तरफ आ रहा है जिसको चकिया जाना है । सूचना पर स्कूटी चालक आर्यन सिंह पुत्र प्रमोद कुमार सिंह निवासी रानीपुर थाना चुनार को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया तो आर्यन ने बताया की मेरे पास चोरी की स्कूटी है जिसे मै बेचने के लिए जा रहा था ।

सरार्फा व्यवसायियों ने राधा कृष्ण झांकी संग खेली फूलों की होली

समारोह में विधायक गण डॉक्टर नीलकंठ तिवारी सौरभ श्रीवास्तव भी हुए शामिल, वाराणसी सरार्फा एसोसिएशन द्वारा आयोजित हुआ सम्मान समारोह के साथ होली मिलन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। होली के पहले काशी में बुधवार की शाम ठठेरी बाजार स्थित शेर वाली कोठी में सरार्फा व्यवसायियों ने राधा कृष्ण झांकी के साथ अबीर गुलाल एवं फूलों की होली खेली रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन वाराणसी सराफा एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम में बतौर अतिथि के शहर दक्षिणी के विधायक डॉक्टर नीलकंठ तिवारी तथा कैंट विधायक सौरव श्रीवास्तव उपस्थित रहे` कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश वर्मा तथा संचालन उपाध्यक्ष रवि सर्राफ ने की` इस दौरान मुख्य रूप से सतनाम सिंह , प्रद्युम्न अग्रवाल, शैलेंद्र वर्मा, राजीव अग्रवाल, विजय तिवारी, मानिकराव पाटील ,संतोष अग्रवाल , पंकज सर्राफ, कमल कुमार सिंह , किशोर कुमार सेठ ,मोहन अग्रवाल , जतिन रस्तोगी, कृष्ण कुमार सेठ , सत्यनारायण सेठ , गणेश सोनी, राजू वर्मा सहित सैकड़ों सरार्फा व्यवसाई शामिल रहे।

सभी ग्रामवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

पूनम देवी
ग्राम प्रधान- भदवा
प्रधान प्रतिनिधि- दिनेश प्रसाद
मो. 9565616468

नहीं हुई जलापूर्ति बहाल, अधिकारियों का फूंका पुतला

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के थानारामपुर स्थित पेयजल नलकूप से गत 5 दिनों से जलापूर्ति ठप होने से नाराज ग्रामीण उपभोक्ताओं ने जलनिगम के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी और पुतला फूंका। बताते हैं कि गत शनिवार से मोटर में आई खराबी के कारण ठप पड़े जलापूर्ति को चालू कराने के लिए जलनिगम के अधिकारियों के साथ क्षेत्रीय विधायक के प्रतिनिधियों को ग्रामीणों ने सूचना दिया। लेकिन 5 दिन बाद भी न तो मोटर बना न ही जलापूर्ति बहाल हुई। यही नहीं सम्बंधित ए ई व जेई के साथ ठीकेदार ने मोबाइल बन्द लिया। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने अधिकारियों का पुतला फूंकने के साथ आक्रोश जताया और डीएम से होली के त्योहार को देखते हुए शुक्रवार को जलापूर्ति बहाल करने की मांग की। इस दौरान डॉ शशिकांत सिंह, गिरीश सिंह, संजय सिंह, छेदी पांडेय, दिनेश पांडेय विवेक गुप्ता, निशल गुप्ता समेत अनेक ग्रामीण रहे।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने भेजा जेल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के महमुदपुर गांव में विगत दिनों हुई हत्या के आरोपी को पुलिस ने वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित बरबकपुर गांव के पास से गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया । थाना प्रभारी ने बताया कि महमुदपुर गांव निवासी अशोक कुमार सिंह उम्र 50 वर्ष उर्फ कल्लू सिंह के हत्या के आरोपी दीपक सिंह पुत्र पन्ना सिंह प्रिंस सिंह उर्फ आदर्श सिंह पुत्र दीपक सिंह बादल सिंह पुत्र दीपक सिंह पन्ना सिंह पुत्र राज बहादुर सिंह को बरबकपुर गेट के पास से गुरुवार को गिरफतार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि चारों आरोपी भागने के फिराक में थे की सूचना मिलते ही सभी को बरबकपुर गेट के पास से गुरुवार की भोर गिरफ्तार कर लिया गया । अभियुक्त दीपक सिंह की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ईंट का टुकड़ा घटनास्थल के पास स्थित पंचायत भवन से बरामद किया गया है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि आरोपी ने स्वीकार किया कि वह इसी ईंट से उसने मारा था जिससे अशोक कुमार सिंह की मौत हो गई थी । थानाध्यक्ष ने बताया कि अशोक सिंह की मौत के चारों आरोपियों को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया गया है। घटना के संबंध में उन्होंने बताया कि जमीन रजिस्ट्री को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बना हुआ था। जब कि मृतक अशोक सिंह को जमीन रजिस्ट्री की जानकारी नहीं थी।

समस्त काशीवासियों और देशवासियों को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं

राकेश कुमार जायसवाल
पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य रमदत्तपुर
-हासिमपुर वाराणसी ज़िला कार्य
समिति सदस्य भाजपा

समस्त काशीवासियों और देशवासियों को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं

अभिमन्यु सिंह
अध्यक्ष प्रगतिशील
समाजवादी पार्टी (लोहिया)
युवजन सभा वाराणसी

जालसाज ने मोबाइल कारोबारी से किया फ्राड, बिल के 38 लाख लेकर हो रहा था फरार

प्रखर वाराणसी। एक दूसरे के परस्पर विश्वास और सहयोग से चलने वाला समाज किसी एक व्यक्ति के लालच का शिकार हो जाए तो फिर नैतिकता बचती नहीं है। मामला सारनाथ थाना अंतर्गत वाराणसी के अशोक विहार फेस टू का है जहां एक ही कॉलोनी में रहने वाले 2 लोगों के पारस्परिक और व्यापारिक सहयोग में लालच इस कदर घुस गई है कि एक व्यापारी दूसरे का लगभग 38 लाख रुपया लेकर भागने की फिराक में है। पुलिस में आशीष मिश्रा नाम के मोबाइल कारोबारी ने शिकायत दर्ज कराया है कि उसी कॉलोनी अशोक विहार फेस 2 में रहने वाले आदित्य श्रीवास्तव नाम के एक व्यक्ति ने उसके साथ करीब 38 लाख रुपए का फ्रॉड किया है। वह अब पैसा देने से कतरा रहा है। उसके इस जालसाजी में उसका परिवार भी सम्मिलित है। जानकारी के मुताबिक आदित्य श्रीवास्तव जो अशोक विहार कॉलोनी फेज 2 पहाड़िया वाराणसी का निवासी है। कॉलोनी के आशीष मिश्रा नाम के एक व्यक्ति के साथ हुआ मिलकर मोबाइल का कारोबार पिछले डेढ़ साल से कर रहा था । लेकिन पिछले दिसंबर से ही वह करीब 38 लाख रूपए का मोबाइल लेने के बाद पेमेंट देने में आनाकानी कर रहा है। इस संदर्भ में पीड़ित आशीष मिश्रा ने सारनाथ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई लेकिन पुलिस इस पूरे प्रकरण पर चुप्पी साधे हुए हैं । मामला आर्थिक अपराध का है लिहाजा पुलिस के पास भी सीमित धाराओं में ही कार्यवाही करने का अधिकार है। इसी का फायदा उठाकर आदित्य श्रीवास्तव आशीष मिश्रा का पूरा पैसा हड़पने की फिराक में है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार आदित्य श्रीवास्तव ने पूरी तैयारी के साथ वहां से भागने की फिराक में था और अपने घर के सारे सामान को एक ट्रक में लेकर भाग जाता इसके पहले ही जानकारी होने के बाद आशीष मिश्रा उसके घर के सामने बैठकर पुलिस और आम लोगों से मदद की गुहार लगाने लगा । इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर होने के बाद तमाम सामाजिक संगठनों ने आशीष मिश्रा के साथ उनका साथ देने का फैसला लिया इसके बाद इस मामले पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। सवाल यह है कि एक व्यक्ति ने पूरे सिस्टम को परेशान कर रखा है और प्रशासन हाथ बांधे खड़ा है। आदित्य श्रीवास्तव अपने व्यवसाय के पूर्व सहयोगी आशीष मिश्रा को लगातार मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना दे रहा है। लेकिन संबंधित और सक्षम अधिकारी मौन साधे हुए हैं। घटनाक्रम की जानकारी मीडिया में आने के बाद पुलिस के आला अधिकारियों ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए सारनाथ थानाध्यक्ष को इस पूरे मामले में आवश्यक कार्यवाही करते हुए कड़े कदम उठाने का आदेश दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आदित्य श्रीवास्तव पर इस तरह के कुछ और मामले भी निकल कर सामने आ रहे हैं ।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन से कटकर अज्ञात वृद्ध की हुई मौत, क्षेत्र में मची सनसनी

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र के मुर्तजाबाद रेलवे लाइन के समीप पोल नंबर 39 पर बुधवार की देर शाम अज्ञात वृद्ध की गोदिया एक्सप्रेस से कटने से हुई मौत। गैरतलब हो कि गाजीपुर सीटी से चलकर गोदिया को जाने वाली गोदिया एक्सप्रेस की चपेट में आने से 70वर्षीय वृद्ध की हुई मौत ट्रेन से कटने की खबर सुनकर आसपास से लोगो की काफी भीड़ इकठ्ठा हो गई।भीड़ से ही किसी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी होते ही प्रभारी निरीक्षक लक्षण पर्वत मौके पर पहुंचकर शव की पहचान कराने का प्रयास किया गया।पर शव की पहचान नहीं हो सकी पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमास्टम के लिए भेजा।घटना की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई।

धनघटा से नवनिर्वाचित विधायक गणेश चौहान का नाथनगर ब्लाक क्षेत्र के गिठनि चौराहे पर हुआ जोरदार स्वागत

प्रखर संत कबीर नगर। धनघटा से नवनिर्वाचित विधायक गणेश चौहान का कार्यकताओं ने होली के त्यौहार को लेकर माला पहनाकर व अबीर गुलाल लगाकर स्वागत किया आपको बता दें की नाथनगर ब्लाक क्षेत्र के अंतर्गत गिठनि चौराहे पर स्वागत कार्यक्रम को लेकर जयप्रकाश गौड़ के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने धनघटा के विधायक गणेश चौहान का स्वागत किया। स्वागत के क्रम को लेकर धनघटा विधायक गणेश चौहान ने सभी को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी। साथ ही स्थानीय लोगों ने चौराहे पर बनी गंभीर समस्याओं को अवगत कराया जैसे नाली सड़क मूलभूत सुविधाओं को लेकर स्थानीय लोगों ने विधायक को समस्याओं से अवगत कराया विधायक गणेश चौहान ने सभी को आश्वस्त करते हुए विकास कार्य की बात कही उन्होंने कहा कि जो भी अधूरे विकास कार्य पड़े हैं उन्हें पूरा कराना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। स्वागत कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे-राजीव सिंह, जयप्रकाश गौड़, रवि उपाध्याय, भोला गुप्ता, मोहन उपाध्याय, विनोद अग्रहरि, सदानंद, धनंजय उपाध्याय,डॉ रमेश, प्रदीप, दीपक सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गेट परीक्षा 2022 में ऑल इंडिया 15वां स्थान लाकर काशी की बेटी ने नाम किया रोशन

प्रखर वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सर सुंदरलाल चिकित्सालय में सीनियर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत डॉ. जय प्रकाश यादव की पुत्री ज्योति प्रकाश, निवासी-महामनापुरी कॉलोनी, बीएचयू, वाराणसी ने इंजीनियरिंग की गेट परीक्षा 2022 में ऑल इंडिया 15वां स्थान प्राप्त कर काशी का मान सम्मान बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार तथा क्षेत्र में काफी हर्ष व्याप्त है। वर्तमान समय में ज्योति प्रकाश आई आई इ एस टी विश्वविद्यालय शिबपुर, कोलकाता से बी.टेक. अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रही है तथा बिना किसी कोचिंग में तैयारी किए इन्होंने गेट परीक्षा 2022 में ऑल इंडिया 15वां स्थान प्राप्त किया है,उक्त परीक्षा पास करने के पश्चात डीआरडीओ तथा इसरो जैसे संस्थानों में साइंटिस्ट के रूप में इनका चयन हो सकता है या फिर भारत में टॉप 5 आईआईटी संस्थानों में परास्नातक के लिए भी इनका डायरेक्ट चयन हो सकता है। ज्योति प्रकाश के इस उपलब्धि पर उनके परिवार, रिश्तेदारों तथा क्षेत्र में खुशी का माहौल है। काशी की बिटिया की इस उपलब्धि पर लोगों में हर्ष व्याप्त है।

प्रकाश जायसवाल महामंत्री बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने लोगो को दिया संदेश भाईचारे के संग मनाए होली

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समस्त जन मानस व देशवासियों को प्रकाश जायसवाल (महामंत्री) बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवम कन्फेडरेशन ऑफ बनारस व्यापार मंडल ने दिया पावन पर्व होली की बहुत बहुत शुभकामनाएं प्रकाश जायसवाल ने कहा की होली का त्योहार आपसी भाईचारे का प्रतीक है और उम्मीद करता हूं हमारे समस्त देशवासी इस होली पर एक दूसरे से सारे गिले शिकवे को भुला कर इस पावन पर्व को हर्ष और उत्साह के साथ मनाएंगे व विधानसभा वाराणसी से जीते हुए सभी जनप्रतिनिधि को बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की तरफ से हार्दिक बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में जनता के द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि अपने निजी स्वार्थ को ना देखते हुए देश हित में जनहित में व्यापारियों के हित में कार्य करेंगे और पुरी दुनियां में चर्चित बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी को गौरवान्वित महसूस कराने का व पूरे विश्व में वाराणसी को मॉडल शहर बनाने का कार्य करेंगे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं